एचएलएल

समन्वया

अंक - 31, मार्च 2021

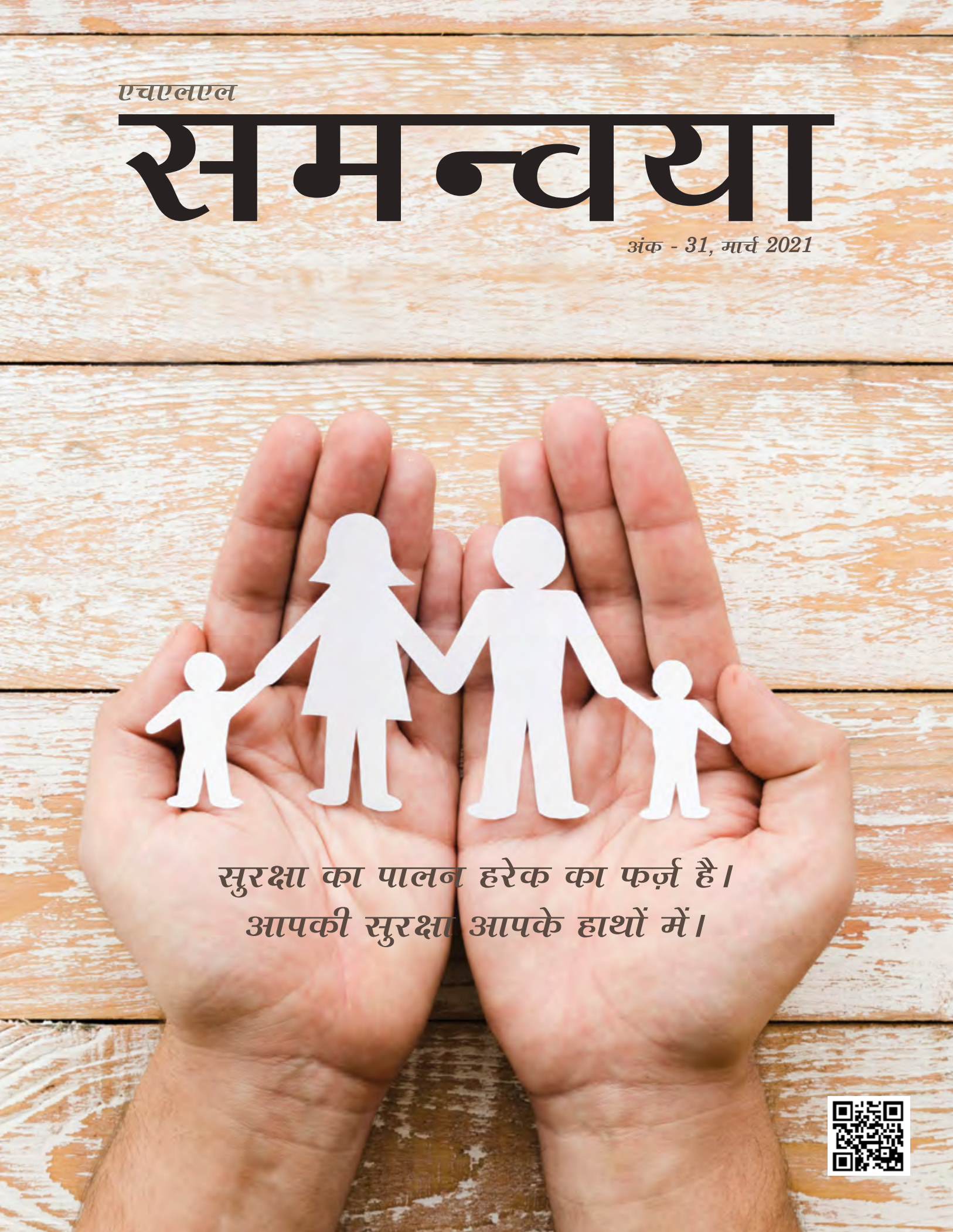

सुरक्षा का पालन हरेक का फर्ज़ है।
आपकी सुरक्षा आपके हाथों में।

सत्यमेव जयते

स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

दवाओं और सर्जिकल
उपकरणों के लिए

60%

औसत छूट

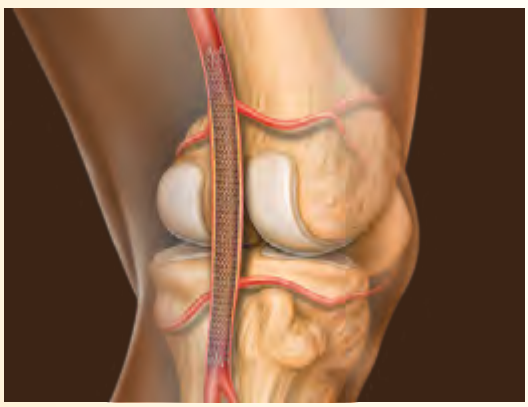

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार के एक नवीन पहल

www. amritcare.co.in

अमृत दीनदयाल मेडिकल्स

चिकित्सा के लिए किफायती दवायें और विश्वसनीय उपकरण

विषय-सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से.....5

संपादकीय.....6

ऑक्सफोर्ड वैक्सीन का प्रापण एचएलएल से.....8

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन की झाँकियाँ.....10

एचएलएल में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए लागू किये गये कदम.....22

नेमी टिप्पणियाँ.....25

एचएलएल शब्दावली.....26

सृजनशीलता.....28

ताज़ा खबर.....42

एचएलएल रिक्रियेषन क्लब.....48

संपादक मंडल

संरक्षक के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य संपादक के.विनयकुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), संपादक मंडल डॉ.एस.एम.उण्णिकृष्णन सह उपाध्यक्ष (आई बी डी, एस पी & सी सी), डॉ.वी.के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा), सुधा एस.नायर, वरिष्ठ प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), डॉ. सुरेष कुमार. आर , प्रबंधक (राजभाषा)

संपादकीय सहायक आशा.एम, शालिनी.एस.एस, मीना.एम.वी, लीना.एल, लक्ष्मी सुदर्शनन

डिजाइनिंग श्रीजित.एस.एल, (कॉर्पोरेट संचार)

मुद्रक अक्षरा ऑफसेट प्रिंटेर्स, तिरुवनंतपुरम।

समन्वया में प्रकाशित लेखों में निहित विचार लेखकों के अपने हैं, इससे एचएलएल लाइफ़केयर का कोई संबंध नहीं है।

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, निगमित एवं पंजीकृत कार्यालय, पूजप्पुरा, तिरुवनंतपुरम - 695 012, केरल, दूरभाष: 2354949

वेब: www.lifecarehll.com फैक्स: 0471-2358890

अंक 31, मार्च 2021

संपादित एवं प्रकाशित: हिंदी विभाग, तैयारकर्ता - कॉर्पोरेट संचार विभाग, एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड (केवल मुफ्त परिचालनार्थ)

निम्न दस्तावेज़ों का 100% अनुपालन द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेज़ी) रूप में सुनिश्चित करें।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अधीन आनेवाली दस्तावेजें

सामान्य आदेश	GENERAL ORDERS
संकल्प	RESOLUTION
नियम	RULES
अधिसूचनायें	NOTIFICATIONS
प्रेस संसूचनायें / विज्ञप्तियाँ	PRESS COMMUNIQUES / RELEASES
संविदा (ठेका)	CONTRACTS
करार	AGREEMENTS
लाईसेंस / अनुज्ञप्ति	LICENSES
परमिट / अनुज्ञापत्र	PERMITS
सूचनाएं	NOTICES
निविदा प्रारूप	TENDER FORMS
निविदा नोटीस	TENDER NOTICES
संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाले शासकीय कागज़ातें	OFFICIAL PAPERS TO BE LAID BEFORE A HOUSE OR HOUSES OF PARLIAMENT
संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाले शासकीय और अन्य रिपोर्ट	ADMINISTRATIVE AND OTHER REPORTS TO BE LAID BEFORE A HOUSE OR HOUSES OF PARLIAMENT

अखिल भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है जिसे जनता का अधिकतम भाग पहले से ही जानता समझता है।

- महात्मा गाँधी

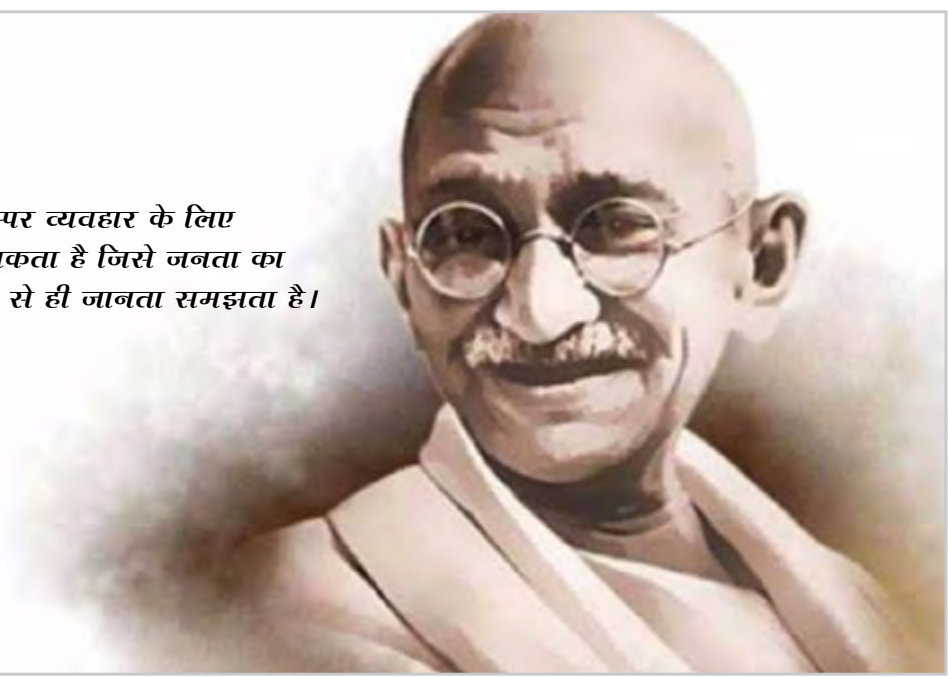

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की कलम से

'विश्वास हरेक व्यक्ति के मन में है, जैसा वह विश्वास करता है वैसा वह बन जाता है यानी जिंदगी में सफलता की कुंजी विश्वास ही है। अतः ज़रूरी है, आत्मविश्वास के साथ ललकारों का सामना करना और मंजिल तक पहूँचने के लिए कोशिश करना।'

आप सब इस बात से अवगत है, वर्ष 2020 मानव राशि के लिए चिरस्मरणीय साल था कि हरेक की ज़िंदगी कोविड महामारी के चंगुल में फंसकर तितर - बितर हो गयी। हमारी ज़िंदगी की जीने की शैली पूरी तरह बदल गयी और अब हम नयी परिस्थिति के अनुकूल जीने के श्रम में हैं। संपूर्ण राष्ट्रों ने एकसाथ मिलकर इस महामारी को अपने कब्जे में लाने की पूरी कोशिश की। इस प्रयत्न में एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड की टीम अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकी। लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी हम इस महामारी के जाल से पूर्णतः मुक्त नहीं हुए हैं। फिर भी एचएलएल विश्वास के साथ अपनी प्रतिबद्धता को भलीभाँति समझकर अपनी विविध यूनिटों एवं समनुषंगी कंपनियों के सहयोग से कोविड - 19 के प्रतिरोध के लिए अपेक्षित सैनिटाइज़र, हैंड सैनिटाइज़र वेंडिंग मशीन, युवी सैनिटाइज़र बॉक्स, सैंबिल कलेक्शन बूथ - विस्क, एवं रैपिड एंटीबोडी किट के विनिर्माण और एन 95 मास्क, कवरोल, ग्लाउस और वेंटिलेटर के प्रापण में लगे रहते हुए इन विभिन्न चिकित्सा उपायों से आम जनता की सेवा में सदा निरत रहती है। इसके अलावा एचएलएल का 'हिंदुस्तान लैटेक्स परिवार नियोजन प्रोन्नमन न्यास (एचएलएफपीपीटी)' मोबाइल मेडिकल यूनिटों के माध्यम से केरल राज्य के आठ जिलों में प्रतिदिन मुफ्तरूप से कोविड - एंटिजेन टेस्ट/आरटीपीसीआर और सभी जिलों में अन्य रोगों से संबंधित स्वास्थ्य जाँच आयोजित करता है, जो साधारण लोगों के लिए एक हद तक राहत है। यह एचएलएफपीपीटी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केरल सरकार के अधीन के एनएचएम, केएमएससीएल का एक संयुक्त उद्यम है।

एचएलएल, उत्पादन के साथ - साथ विपणन पर भी संकेंद्रित कंपनी, के विपणन श्रृंखला ने भारत के अलावा अनेक विदेश राष्ट्रों तक अपना स्थान जमाया है। इसलिए कंपनी की सेवाओं की जानकारी देश भर के जन - जन तक पहूँचाने के लिए हिंदी जैसी एक सर्वमान्य भाषा की अहम भूमिका है। साथ ही, कंपनी में संघ सरकार की राजभाषा नीति को अमल करते हुए हिंदी भाषा का प्रचार - प्रसार करना हमारा उत्तरदायित्व है। अतः कोविड महामारी के विकट परिस्थिति के बीच में भी हमने अपनी जिम्मेदारी को प्रमुखता देकर प्रचलित वर्ष में कंपनी में - अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, राजभाषा तकनीकी सेमिनार, राजभाषा कार्यशाला, कर्मचारियों एवं उनके बच्चों के लिए हिंदी प्रतियोगितायें आदि - वैविद्यपूर्ण कार्यकलाप ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित किये। यहाँ उल्लेखनीय है, सभी कार्यक्रम ऑनलाइन के ज़रिए होने से एचएलएल के विविध यूनिटों के कर्मचारियों को इन हिंदी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर मिला।

इस प्रकार हर साल वैविद्यपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित करने के परिणामस्वरूप एचएलएल नराकास राजभाषा निष्पादन पुरस्कार एवं नराकास राजभाषा पत्रिका पुरस्कार के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर नौ बार राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्राप्त करने में भी कामयाब बन गयी। यह भी नहीं, एचएलएल की सक्रिय अगुआई में तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), लगातार चार बार क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार और एक बार राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (प्रथम स्थान) हासिल कर सकी, जो कंपनी के लिए मीलपत्थर ही है।

इसके अतिरिक्त, एचएलएल का और एक पडाव है कंपनी की राजभाषा पत्रिका **'समन्वया'**। इस कैनवास के माध्यम से हम, कंपनी की नई परियोजनाओं एवं हिंदी से जुडे कार्यकलापों का बृहत् चित्र दूसरों के सम्मुख प्रस्तुत करने की कोशिश करते हैं।

राजभाषा पत्रिका **'समन्वया'** के इक्तीसवें अंक को आपके समक्ष पेश करने में मुझे बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। मैं उम्मीद करता हूँ कि सभी पाठक इस पत्रिका के अगले अंक को सुंदर साज-सजावट एवं उच्च स्तरीय लेखों से संकलित करने की ओर अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रियाओं से हमें यथासमय अवगत कराने की कोशिश करेंगे।

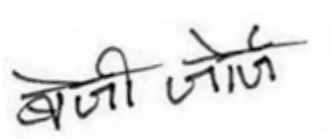

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादकीय

भारत जैसे बहुरंगी संस्कृति एवं बहुभाषा से समृद्ध देश में आपसी सामंजस्य स्थापित करने के लिए एकदम समर्थ भाषा हिंदी ही है। आज हिंदी भाषा का कलेवर भारत मात्र सीमित न रह कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक फैल गया है। अतः लोकव्यापकता की दृष्टि से अब बोलचाल एवं प्रयोग की भाषा में सरल हिंदी शब्दों का अधिक प्रयोग किया जाता है कि सभी लोग हिंदी भाषा को आसानी से समझ सकें एवं पढ सकें। यह मात्र नहीं, विशेषतः राजभाषा के रूप में केंद्र सरकार के कार्यालयों के कर्मचारियों द्वारा अपने कार्यालयीन कामों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग भी कर सकें। इस बात को ध्यान में रखते हुए आज की विकराल स्थिति के बीच में भी, हम एचएलएल की राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में लगातार वृद्धि लाने के लिए हिंदी तकनीकी सेमिनार, हिंदी प्रतियोगिता, हिंदी कार्यशाला, हिंदी वाक् - पटुता कार्यक्रम जैसे वैविद्यपूर्ण कार्यक्रम ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित करने में कामयाब बन गये। पहले के समान इस साल में भी हम कंप्यूटर के ज़रिए हिंदी तकनॉलजी से संबंधित प्रशिक्षण को विशेष महत्व देकर कंपनी के विभिन्न यूनिटों के अलग - अलग स्तर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण भी आयोजित किये गये। इसके अतिरिक्त राजभाषा निष्पादन में अव्वल स्थान पर आये यूनिट को राजभाषा वैजयंती, अग्रणी अनुभाग को अग्रणी अनुभाग पुरस्कार तथा अपना मूल काम हिंदी में किये कंपनी के कर्मचारियों को नकद पुरस्कार देकर आगे भी हिंदी में काम करने के लिए उन्हें प्रेरणा एवं प्रोत्साहन दिया।

आगे एचएलएल की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के ज़रिए हमने कंपनी की नूतन परियोजनाओं एवं राजभाषा संबंधी गतिविधियों को प्रदर्शित करने की पूरी कोशिश की है। यह, कर्मचारियों को अपनी रचनायें प्रकाशित करने का एक उचित प्लाटफर्म भी है। मैं, अतीव प्रसन्नता के साथ राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' के इक्तीसवाँ अंक आपके सम्मुख प्रस्तुत करना चाहता हूँ। मेरी कामना है, 'समन्वया' का आगामी अंक एकदम मनमोहक तथा ज्ञानवर्द्धक बनाने के लिए हरेक पाठक ज़रूर अपनी राय प्रकट करेंगे।

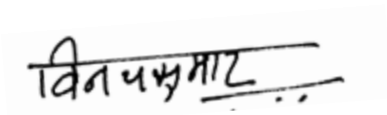

के. विनयकुमार,
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

14-09-2020

एचएलएल/3-17(हि.प.स.)/2020- 8860

अपील

सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

केंद्र सरकार की राजभाषा के रूप में विराजित हिंदी भाषा बहुत सरल भाषा है। अतः भारत में सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली और समझने वाली भाषा है। साथ ही वैश्विक स्तर पर इसको चौथा स्थान है। इसलिए हिंदी भाषा लोकप्रिय भाषा बन गयी है। इस की लोकप्रियता को ध्यान में रख कर संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को संघ की राजभाषा की पदवी दी। इस दिन की यादगार में हर साल 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में और उसके पश्चात हिंदी पखवाड़ा / हिंदी माह आदि सुविधानुसार मनाये जाते हैं। इस का उद्देश्य कार्यालयों में कर्मचारियों के बीच में राजभाषा के प्रति जागरूकता पैदा करके अनुकूल वातावरण बनाना और राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर प्रगति बढ़ाना है।

संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा और प्रोत्साहन है। एचएलएल भारत सरकार के उपक्रम रहने से राजभाषा अधिनियम, नियम, राष्ट्रपति आदेश, वार्षिक कार्यक्रम और समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन का अनुपालन करना हमारा संवैधानिक दायित्व है। केवल इतना ही नहीं, राजभाषा नियम 1976 के उप नियम 12 के अनुसार, कार्यालय प्रमुख को इन आदेशों का अनुपालन सख्त रूप से सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। इसलिए, मैं संबंधित यूनिटों / कार्यालय प्रधानों से व्यक्तिगत रूप से राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने और इसके प्रचार सुनिश्चित करने का अपील करता हूँ। साथ ही हम स्वयं कार्य हिंदी में करते हुए अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों से राजभाषा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे।

कोविड महामारी के प्रभाव से कार्यक्रमों के संचालन पिछले वर्षों की अपेक्षा ऑनलाइन के जरिए नवीन तरीके से ही संभव है। हमारी कंपनी के हिंदी दिवस समारोह के इस शुभ अवसर पर मैं कामना करता हूँ कि आप सभी हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेकर इसे सार्थक बना दें और अपना सर्वाधिक कार्य हिंदी भाषा में करने का प्रयास करें।

एक और बार आप सब को हिंदी दिवस और पखवाड़ा समारोह की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिंद!

बेजी जोर्ज

के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सेवा में

सभी अधिकारी एवं कर्मचारी

एचएलएल-सरकार की ओर से वैक्सिनों की खरीद की एकल एजेंसी

केंद्र सभी टीका खरीद के लिए एकल एजेंसी होगी', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कहने के कुछ घण्टे बाद, ऐसी सूचना मिली कि एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड, सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, सरकार की ओर से वायल्सों की खरीद करेगी। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने प्रकाश कुमार सिंह, अतिरिक्त निदेशक, सरकार एवं नियामक कार्य के नाम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) में पहले ही आपूर्ति आदेश जारी कर दिया था।

भारत ने हाल ही में दो टीकों, सिरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा विनिर्मित किये जा रहे ऑक्सफोर्ड कोविशील्ड और भारत बायोटेक के को वैक्सीन, को आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण स्वीकृति दी थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के विवरण के अनुसार दोनों टीकों ने सुरक्षा एवं प्रतिरक्षात्मकता स्थापित की है।

देश ने अपने कोविड-19 टीकाकरण अभियान को लॉच करने के लिए तैयार है, जिस के बारे में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह लगभग तीन करोड स्वास्थ्यरक्षा और फ्रंटलाइन कामगारों को प्राथमिकता देकर दुनिया के सबसे बडा टीकाकरण कार्यक्रम है।

ध

क्ष क द श अ

ल स य

प्र म

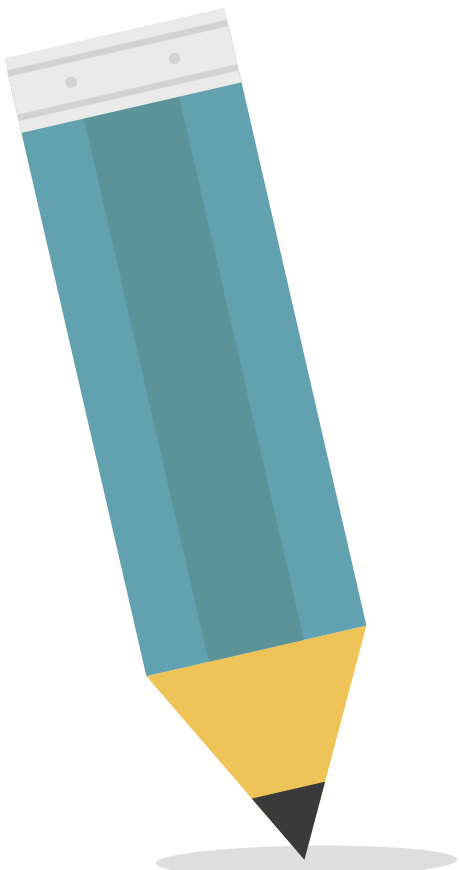

एचएलएल के राजभाषा कार्यान्वयन की झाँकियाँ

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2020

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड के हिंदी पखवाड़ा समारोह का उद्घाटन कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज, आई आर टी एस द्वारा 15 सितंबर, 2020 को निगमित मुख्यालय, तिरुवनंतपुरम में ऑनलाइन के ज़रिए किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन एवं अध्यक्षीय भाषण में कंपनी भारत सरकार के उद्यम रहने से, राजभाषा अधिनियम, नियम, राष्ट्रपति के आदेश, वार्षिक कार्यक्रम और समय - समय पर भारत सरकार द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन का अनुपालन करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उनकी राय में हिंदी पखवाड़ा समारोह आयोजित करने का उद्देश्य ही कार्यालय में कर्मचारियों के बीच में राजभाषा के प्रति जागरूकता पैदा करके अनुकूल वातावरण बनाना और राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर प्रगति बढ़ाना है। उन्होंने कोविड महामारी के प्रभाव से कार्यक्रमों का संचालन नवीन तरीके से यानी ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित करने के प्रस्ताव की सराहना की। साथ ही, कर्मचारियों से हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेकर सर्वाधिक कार्यालयीन काम हिंदी में भी करने का आह्वान दिया।

समारोह में माननीय गृह मंत्री का संदेश पेरूरकड़ा फैक्टरी के संयुक्त महा प्रबंधक (एम टी लैब & आर & डी), श्रीमती एस वी बानु ने पढ़ा।

आगे कंपनी के निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), श्री ई.ए.सुब्रमण्यन और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन), श्री के. विनयकुमार ने आशीर्वाद भाषण दिया। निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) ने अपने आशीर्वाद भाषण में अपनी सामाजिक एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व एवं प्रतिबद्धता को सही तरीके से समझते हुए हर कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने और हिंदी पखवाड़ा समारोह को सफल बनाने के लिए कर्मचारियों को प्रेरणा दिया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) ने अपने आशीर्वाद भाषण में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित किए जानेवाले कार्यक्रम व प्रतियोगिताएँ ऑनलाइन के ज़रिए होने से हर यूनिट के कर्मचारियों को अपने सीट में बैठकर ज्यादातर कार्यक्रमों में भाग लेने की प्रत्याशा की।

एचएलएल के डॉ.वी.के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) ने क्रमशः स्वागत एवं कृतज्ञता व्यक्त किए।

इसके अलावा, हिंदी पखवाडा समारोह के शुभ अवसर पर कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा सभी कर्मचारियों से अधिकतम शासकीय कार्य हिंदी में करने का आह्वान करके उन्हें अपील भी दिया गया।

हिंदी उद्धरणों का प्रदर्शन

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, हिंदी के प्रति हमारे सांविधिक एवं संवैधानिक बाध्यता को प्रकट करने तथा कार्मिकों को हिंदी में अधिक से अधिक सरकारी कार्य करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने की ओर, हिंदी दिवस पर हिंदी भाषा में कुछ प्रमुख उद्धरणों के पोस्टर कंपनी के निगमित मुख्यालय, एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी एवं एचएलएल - हाइट्स के स्वागत कक्ष एवं सभी विभागों पर प्रदर्शित किए गए।

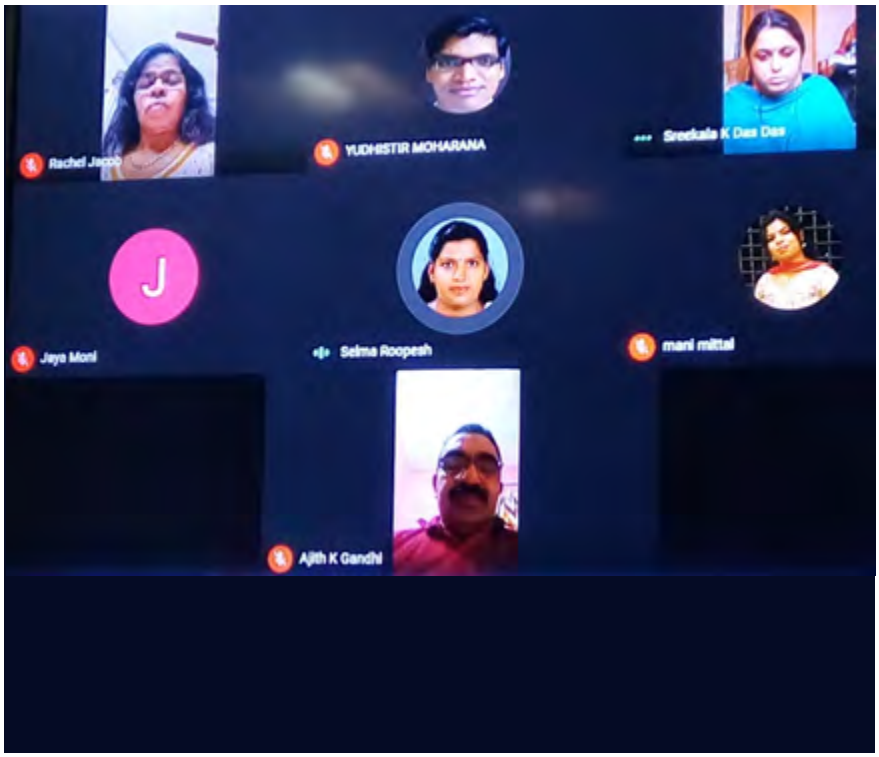

हिंदी प्रतियोगिताएँ

हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान एचएलएल के सभी यूनिटों को एक साथ लाकर अखिल भारतीय स्तर पर ऑनलाइन के ज़रिए कंपनी के कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन, टिप्पण व आलेखन और प्रशासनिक शब्दावली, कविता पाठ, देशभक्ति गीत प्रतियोगिताएँ चलायी गयीं।

इन प्रतियोगिताओं के अलावा कर्मचारियों के बच्चों, यानी हाइस्कूल एवं कॉलेज स्तर, के लिए क्रमशः ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली - फायदा और नुकसान और कोविड - 19 महामारी लोगों के जीवन में इसका प्रभाव विषयों पर निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में कंपनी के विविध यूनिटों के ज्यादातर छात्र/छात्राओं ने भाग लिए। पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार की रकम उनके बैंक खाते में जमा कर ली गयी।

हिंदी वाक्-पटुता कार्यक्रम

कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर प्रगति लाने की दृष्टि से 23 अक्तूबर, 2020 को ऑनलाइन के ज़रिए 'कोविड -19 महामारी- लोगों के जीवन में इसका प्रभाव' विषय पर वाक् - पटुता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य है, कर्मचारियों को हिंदी में अपनी राय व्यक्त करने के लिए अवसर प्रदान करना। इसमें कंपनी के विभिन्न यूनिटों के कर्मचारियों की भागीदारी हुई। श्रीमती एस.वी.बानु, संयुक्त महा प्रबंधक, एचएलएल-पीएफटी; श्रीमती रेचल जेकब, ओ 5, एचएलएल-पीएफटी और सुश्री अर्चना मेनोन, सहायक परियोजना प्रंबधक, एचएलएल - हाइट्स को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुए।

पारंगत प्रशिक्षण

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त एचएलएल के अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना शासकीय कार्य विशेषतः टिप्पण एवं आलेखन स्वयं हिंदी में भी करने के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से पारंगत प्रशिक्षण का दूसरा सत्र 15 जनवरी 2021 से ऑनलाइन के ज़रिए प्रारंभ किया गया। इस बैच में चौदह उम्मीदवार हैं। पाठ्यक्रम की अवधि 6 महीना है। इस बार हफ्ते में तीन दिन में दो घंटे का क्लास चलता है। हिंदी शिक्षण योजना के प्राध्यापक क्लास का संचालन करती है। पहले सत्र के चौबीस उम्मीदवार परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। उनको भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र एवं प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे।

केरल हिंदी प्रचार सभा के साथ सहयोग

एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड ने राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में अतीव महत्व देते हुए केरल हिंदी प्रचार सभा के नेतृत्व में केरल के केंद्र सरकार के कार्यालयों, निगमों, उपक्रमों एवं राष्ट्रीयकृत बैंकों की सहभागिता से 14 - 28 सितंबर 2020 तक आयोजित हिंदी पखवाडा समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं में कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता हुई। हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एचएलएल निगमित मुख्यालय के वरिष्ठ प्रबंधक (आई टी) श्री नागराजन.यु को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

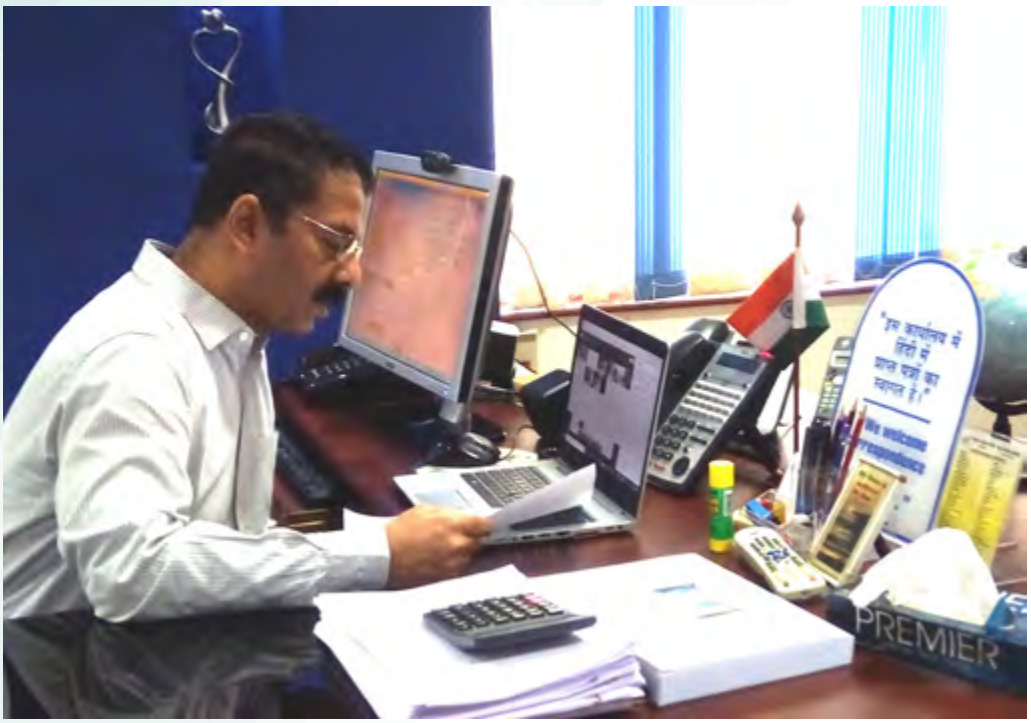

हिंदी पखवाडा

समापन समारोह

ऑनलाइन के ज़रिए आयोजित एचएलएल के हिंदी पखवाडा के समापन समारोह का उद्घाटन 09 अक्तूबर 2020 को कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बेजी जोर्ज, आई आर टी एस द्वारा किया गया। उन्होंने अपने भाषण में उल्लेख किया कि कोविड महामारी के बावजूद भी राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढाने की दृष्टि से ऑनलाइन के माध्यम से आयोजित विविध कार्यक्रमों में कर्मचारियों की उत्सुकता के साथ भागीदारी हुई। आगे उन्होंने जोडा कि राजभाषा कार्यान्वयन हमारी संवैधानिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है और राजभाषा नीति के शत-प्रतिशत कार्यान्वयन एवं इसका अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हम सदा कर्म निरत हैं। इस कार्यक्रम में कालिकट्ट विश्वविद्यालय के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), डॉ. सुरेन्द्रन.आर (आरसू) ने मुख्य भाषण दिया। बाद में, श्री ई.ए. सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन), डॉ.गीता शर्मा निदेशक (वित्त) और कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एच आर), श्री के. विनयकुमार ने आशीर्वाद भाषण दिया। डॉ. वी. के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) और संयुक्त महा प्रबंधक (पीपीएस & ई), श्री वेणुगोपाल.एस ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद भाषण दिया। इस समारोह में कंपनी के विविध यूनिटों के वरिष्ठ अधिकारीगण ने भाग लिया।

हिंदी कार्यशाला एवं राजभाषा सेमिनार

एचएलएल के विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना शासकीय काम हिंदी में भी करने के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन और अपेक्षित प्रशिक्षण देने की ओर ऑनलाइन के ज़रिए हिंदी में अखिल भारतीय तकनीकी सेमिनार (15.09.2020), राजभाषा नीति पर अखिल भारतीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम (16.09.2020), अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम (29.01.2021) और संघ नेताओं के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम (16.02.2021) आयोजित किए गए। इन कार्यशालाओं से 100 अधिकारी/कर्मचारी लाभान्वित हुए। इन कार्यशालाओं में श्री के.अनिलकुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एस बी आई, श्री एम.जी. सोमशेखरन नायर, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, वी एस एस सी और श्री ए.सोमदत्तन, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय ने क्लास लिया।

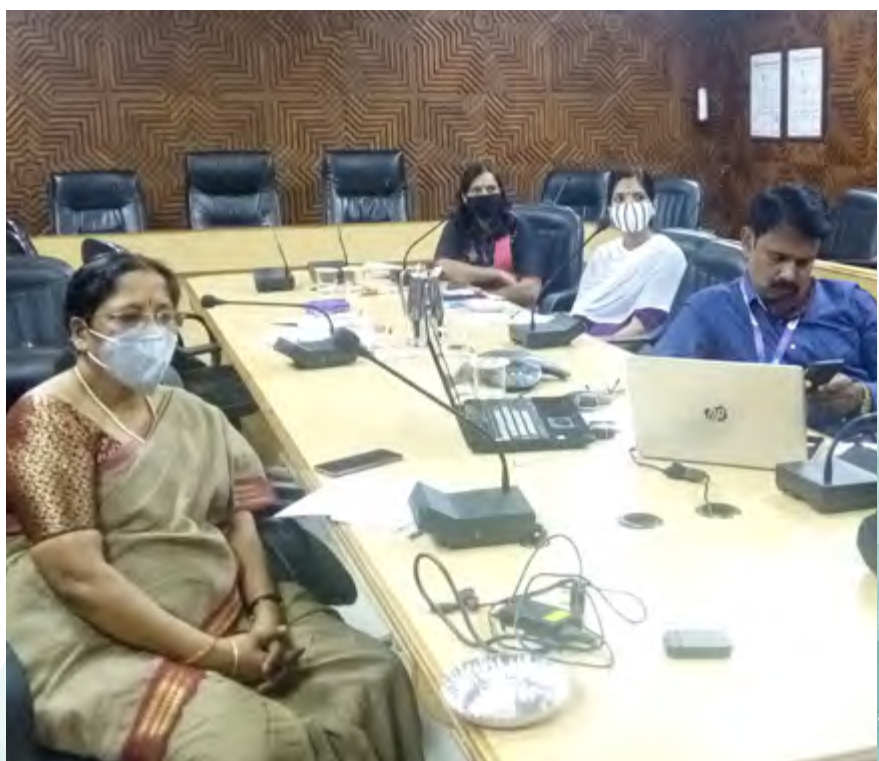

टोलिक राजभाषा पत्रिका पुरस्कार

तिरुवनंतपुरम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) द्वारा अपने सदस्य कार्यालयों की राजभाषा पत्रिकाओं में से उत्कृष्ट पत्रिका के लिए संस्थापित टोलिक राजभाषा पत्रिका पुरस्कार (प्रथम स्थान) के रूप में एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड की राजभाषा पत्रिका 'समन्वया' को विनिर्णीत किया गया। यह पुरस्कार एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के.बेजी जोर्ज, आई आर टी एस से कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) श्री के.विनयकुमार ने हासिल किया।

राजभाषा निरीक्षण

एचएलएल के विभिन्न यूनिटों एवं समनुषंगी कंपनियों के राजभाषा हिंदी के प्रोन्नमन में विकास लाने के लिए प्रत्येक यूनिट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपेक्षित सुझाव देने की ओर एचएलएल पेरूरकड़ा फैक्टरी, काक्कनाड फैक्टरी और समनुषंगी कंपनी गोवा एंटिबायोटिक्स लिमिटेड में श्रीमती गिरिजा कुमारी.डी.टी, सेवानिवृत्त सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी भविष्यनिधि, तिरुवनंतपुरम द्वारा 6 & 9 फरवरी 2021 को ऑनलाइन राजभाषा निरीक्षण करके आवश्यक सुझाव दिये गये।

गणतंत्र दिवस समारोह में हिंदी पुरस्कार वितरण

हिंद देश के निवासी सभी जन एक है - इस नारे को सार्थक बनाने में भारत की राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा हिंदी की अहमियात को पहचान कर और उसको मानते हुए 26 जनवरी 2021 को गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर एचएलएल निगमित मुख्यालय के विभिन्न अनुभागों के बीच में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में अव्वल स्थान पर आये सुरक्षा विभाग के लिए अग्रणी अनुभाग चल वैजयंती एवं नकद पुरस्कार एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस के करकमलों से श्री ई.परमेश्वरन नंपूतिरी, सह उपाध्यक्ष और श्री षाजी वर्गीस, सुरक्षा पर्यवेक्षक ने स्वीकार किया। साथ ही हिंदी में मूल रूप से टिप्पण एवं आलेखन कार्य किये अधिकारियों/ कर्मचारियों को नकद पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

राजभाषा चल वैजयंती

एचएलएल के विभिन्न यूनिटों के बीच में प्रभावी तौर पर राजभाषा निष्पादन लागू करने के लक्ष्य से कंपनी में राजभाषा चल वैजयंती संस्थापित की गयी है। विभिन्न यूनिटों का ऑनलाइन निरीक्षण करके वर्ष 2019-20 के दौरान इस पुरस्कार के लिए एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी को चुन लिया गया। एचएलएल निगमित मुख्यालय में आयोजित समारोह के अवसर पर एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस से पेरूरकडा फैक्टरी के यूनिट प्रधान श्री जी. कृष्णकुमार ने यह पुरस्कार हासिल किया।

प्रशस्ति पुरस्कार

हिंदी के प्रसिद्ध विद्वान और सांसद श्री शंकर दयाल सिंह की जन्मतिथि की यादगार में भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के निर्देशानुसार संस्थापित प्रशस्ति पुरस्कार (साइटेषन एवार्ड), वर्ष 2019 - 20 के दौरान राजभाषा के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के उपलक्ष्य में एचएलएल के विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच में श्रीमती जयमणि.एस, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी को एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस ने प्रदान किया।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

एचएलएल के भारत के आर - पार की विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 12.02.2021 को ऑनलाइन के ज़रिए 'कोविड - 19 महामारी के रोकथाम के लिए एचएलएल का योगदान'विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/सीधे मोड के माध्यम से अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस राजभाषा सम्मेलन में एचएलएल की विभिन्न यूनिटों/समनुषंगी कंपनियों से 8 कर्मचारियों ने उक्त विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ.वी.के. जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) एचएलएल ने भाषण दिया। एचएलएल पेरूरकडा फैक्टरी के श्रीमती एस.वी.बानु, संयुक्त

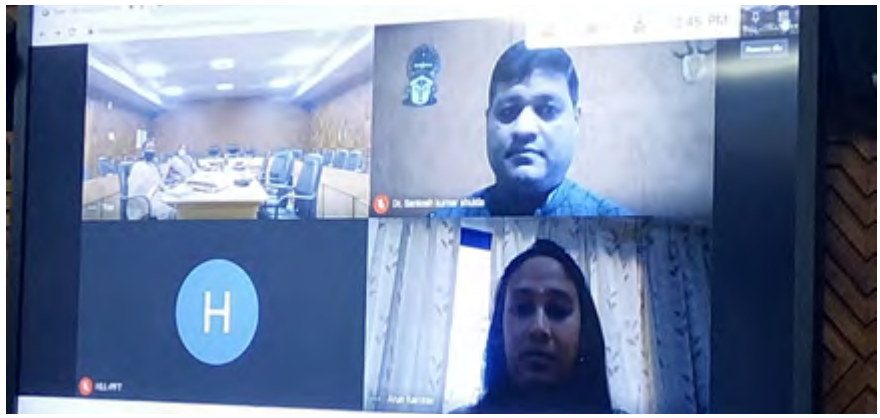

महा प्रबंधक और श्रीमती रेचल जेकब, अधिकारी 5 को क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान और एचएलएल कनगला फैक्टरी के सुश्री हर्षिता पाहवा, उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) और श्री एम.डी.मुल्ला सहायक परियोजना प्रबंधक (इलक्ट्रिकल) दोनों को तृतीय स्थान प्राप्त हुए। श्रीमती श्रीलता, प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, तिरुवनंतपुरम ने इस सेमिनार के विधिनिर्णायक का काम संभाला।

अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार

एचएलएल के सभी यूनिटों एवं समनुषंगी कंपनियों को एकसाथ मिलाकर वहाँ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रशिक्षण देने की ओर 09.03.2021 को ऑनलाइन के ज़रिए अखिल भारतीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री के.अनिलकुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एसबीआई ने कंप्यूटर एवं मोबाइल से अनुवाद करने की विभिन्न तरीके, एक्सल में हिंदी में कार्य करने एवं वाट्सऑप के संदेशों को विविध भाषाओं में अनुवाद करने जैसे आधुनिक तकनॉलजी के बारे में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। इस तकनीकी सेमिनार से केंद्रीय विपणन कार्यालय, चेन्नै, जीएपीएल, कनगला फैक्टरी, हाइट्स, मुंबई

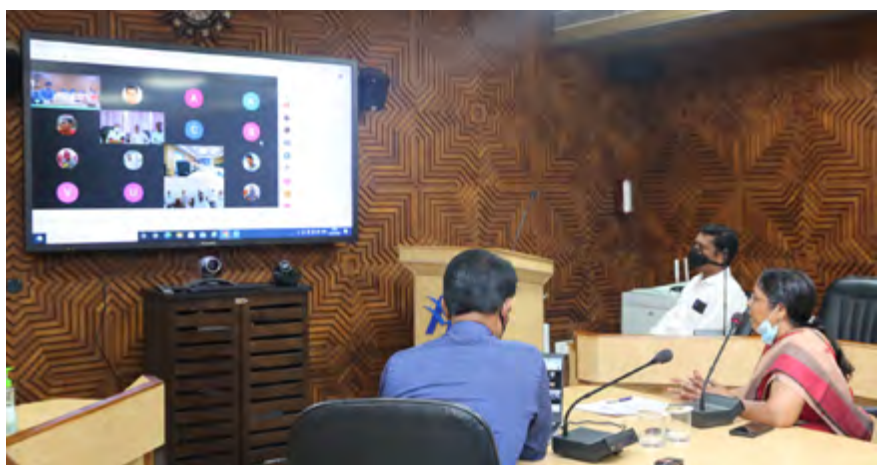

कार्यालय आदि कंपनी की विभिन्न यूनिटों से 28 कर्मचारियों ने लाभ उठाया। इस अवसर पर डॉ.वी.के.जयश्री, उप उपाध्यक्ष (राजभाषा) और डॉ.सुरेष कुमार.आर, प्रबंधक (राजभाषा) एचएलएल ने क्रमशः स्वागत एवं धन्यवाद का काम संभाला।

एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेस लिमिटेड (हाइट्स)

हिंदी पखवाडा समारोह

एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेस लिमिटेड (हाइट्स), नोएडा में हिंदी पखवाडा समारोह 2020 का आयोजन कोविड-19 दिशानिर्देशों तथा मानक प्रचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के माध्यम से सितंबर 14 से 28 तक अधिकारियों और कर्मचारियों के सक्रिय भागीदारी के साथ संपन्न हुआ था। 14 सितंबर को हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडा का उद्घाटन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. संजय कुमार अग्रवाल ने किया था। श्री एस के कालरा - उपाध्यक्ष, श्रीमती अरुंधती कांडवाल - सह उपाध्यक्ष, श्री प्रेम प्रकाश - उप उपाध्यक्ष (एफ एम डी), श्री अमित रोहिला - उप महा प्रबंधक (वित्त), श्री गौरव कुमार शर्मा - वरिष्ठ प्रबंधक (मा. सं. एवं. प्र.), श्री राहुल कक्कर, प्रबंधक, श्रीमती हेमा वी एस - राजभाषा अधिकारी आदि ऑनलाइन के ज़रिए उपस्थित थे।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिंदी दिवस/पखवाडा मनाने के संबंध में जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसरण करते हुए हिंदी भाषा की गरिमा बढाने वाली प्रमुख सूक्तियों के पोस्टर का प्रदर्शन और बैनर, स्टैंडीस आदि लगवाए थे। ऑनलाइन के माध्यम से परियोजना स्थल में कार्यरत अधिकारियों को भी शामिल करते हुए लेख लेखन, कविता लेखन और पाठ, चार्ट निर्माण, राजभाषा नीति पर प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं। अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। हाइट्स के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बडे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेकर हिदी पखवाडा समारोह 2020 को सफलता प्रदान की। कोविड के संबंध में मानक प्रचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन नहीं किया था। पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार उनके बैंक खाते में जमा किया गया। हिंदी पखवाडा समारोह के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने हाइट्स के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हिंदी भाषा में अधिक से अधिक काम करके हिंदी को विश्व भाषा का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की।

गोवा एंटिबायोटिक्स & फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (जी ए पी एल)

हिंदी सप्ताह समारोह

एचएलएल लाइफ़केयर लिमिटेड अपनी सभी यूनिटों और समनुषंगी कंपनियों के हिंदी कार्यान्वयन में अतीव प्रमुखता देते हुए समय - समय पर आवश्यक मार्गनिर्देश देती है। इसके मद्देनज़र एचएलएल की समनुषंगी कंपनी गोवा एंटिबायोटिक्स & फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड (जी ए पी एल) में 14 से 20 सितंबर 2020 तक हिंदी सप्ताह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कंपनी के सामने हिंदी सप्ताह का त्रिभाषा बैनर लगाया गया। हिंदी सप्ताह के दौरान 16 सितंबर 2020 को आयोजित हिंदी निबंध प्रतियोगिता में दस कर्मचारियों की भागीदारी हुई। 5 अक्तूबर 2020 को आयोजित हिंदी सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर यूनिट प्रधान श्री रेजु स्करिया ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया।

एचएलएल - कनगला फैक्टरी

श्री नटेश.के, महा प्रबंधक (प्रचालन) & यूनिट मुख्य, एचएलएल - केएफबी, गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर एचआर विभाग को ''सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार'' प्रदान करते हैं।

एचएलएल में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए लागू किये गये कदम

प्रशिक्षण

हम राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा हिदी शिक्षण योजना के अधीन पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से आयोजित हिदी परीक्षाओं (प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ) के लिए प्रशिक्षण सामग्रियाँ निशुल्क दी जाती हैं और प्रशिक्षण पा रहे कर्मचारियों को दो व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम में भेजे जाते हैं। इस के लिए परीक्षा शुल्क कंपनी द्वारा भुगतान किया जाता है। परीक्षा में भाग लेने के लिए कर्मचारियों को विशेष अवकाश दी जाती है और टी ए/वास्तविक व्यय प्रतिपूर्ति की

परीक्षा	नकद पुरस्कार	एकमुश्त पुरस्कार
प्रबोध (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष) (1) 70% या अधिक अंक (2) 60-69% अंक (3) 55-59% अंक	 रु. 1600/- रु. 800/- रु. 400/-	 रु.1600/-
प्रवीण (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष) (1) 70% या अधिक अंक (2) 60-69% अंक (3) 55-59% अंक	 रु. 1800/- रु. 1200/- रु. 600/-	 रु.1500/-
प्राज्ञ (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष) (1) 70% या अधिक अंक (2) 60-69% अंक (3) 55-59% अंक	 रु. 2400/- रु. 1600/- रु. 800/-	 रु. 2400/-
स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं द्वारा आयोजित हिंदी परीक्षाएँ जो भारत सरकार (शिक्षा विभाग) द्वारा मैट्रिकुलेशन या उच्च परीक्षा के समान मान्यता दी गयी थी।		रु. 1200/-
केंद्रीय हिंदी निदेशालय की हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम परीक्षा		रु. 1200/-

जाती है। आगे इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर कर्मचारियों को निम्नलिखित जैसे नकद पुरस्कार दे रहे हैं।

पारंगत

इसके अलावा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा सभी अधिकारी/कर्मचारियों को हिंदी में प्रवीणता प्राप्त कराने के उद्देश्य से पारंगत प्रशिक्षण शुरू किया गया है। पाठ्यक्रम की अवधि 5 महीना है। कर्मचारियों को परीक्षा पास होने पर भारत सरकार द्वारा प्रमाण-पत्र और नकद पुरस्कार दिये जाते हैं।

हिंदी में कार्य करने के लिए टिप्पण एवं आलेखन

सभी श्रेणियों के अधिकारी/कर्मचारी, जो उनके कार्यालयीन काम पूर्णतः या भागिक रूप से हिंदी में करते हैं (एक कलण्डर वर्ष में कम से सम 10,000 शब्द), इस योजना के अधीन प्रोत्साहन के लिए पात्र होंगे। इस में सभी मूल टिप्पण, आलेखन और हिंदी में किए गए अन्य कार्यों जैसे रजिस्टर में प्रविष्टियाँ/सूची तैयार करना/लेखा कार्य आदि शामिल हैं। इस योजना के तहत आने वाले प्रथम दस कर्मचारियों को निम्न जैसे नकद पुरस्कार और शेष कर्मचारियों को हिंदी फिल्म की फैमिली टिकट (चार टिकट) देते हैं।

नकद पुरस्कार

रु. 5000/- का पहला पुरस्कार प्रत्येक दो कर्मचारियों को

रु. 3000/- का दूसरा पुरस्कार प्रत्येक तीन कर्मचारियों को

रु. 2000/- का तीसरा पुरस्कार प्रत्येक पाँच कर्मचारियों को

अग्रणी अनुभाग पुरस्कार

कंपनी ने निगमित मुख्यालय और प्रत्येक यूनिट के अनुभागों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में अव्वल स्थान पर आनेवाले दो अनुभागों के लिए अग्रणी अनुभाग पुरस्कार कार्यान्वित किया है। राजभाषा निरीक्षण करके रोलिंग शील्ड और निम्नानुसार नकद पुरस्कार दिए जाते हैं।

राजभाषा चलवैजयंती

कंपनी के यूनिटों के बीच में सर्वोत्कृष्ट रूप से राजभाषा नीति के कार्यान्वयन और अनुपालन करने वाले यूनिट को हर साल राजभाषा चलवैजयंती से पुरस्कृत किया जाता है। इससे हमारा उद्देश्य है, राजभाषा कार्यान्वयन के लगातार प्रोन्नमन को कायम रखने में कंपनी के यूनिटों के बीच में प्रतिस्पर्धा मनोभाव के ज़रिए राजभाषा कार्य को बढावा देना।

एचएलएल के सभी यूनिटों और समनुषंगी कंपनियों के राजभाषा कार्यान्वयन में लगातार वृद्धि लाने में अतीव महत्व देते हुए कंपनी द्वारा साल में एक बार सभी यूनिटों का राजभाषा निरीक्षण किया जाता है और आवश्यक सुझाव देते हैं। इस प्रकार के राजभाषा निरीक्षण के ज़रिए कंपनी अपने यूनिटों को रोलिंग शील्ड प्रदान करती है।

अनुभागवार बैठकें

यूनिटों के प्रत्येक अनुभाग के कर्मचारियों को राजभाषा नीति के बारे में अवगत कराने और हिंदी में काम करने के लिए प्रेरणा देने के लिए

साल में दो बार अनुभागवार बैठकें आयोजित करके अपेक्षित मार्गनिर्देश दिये जाते हैं।

हिंदी में लेख

एचएलएल के कर्मचारियों और उनके बच्चों को हिंदी में लेख लिखने में प्रेरित करने के लिए कंपनी में नकद पुरस्कार लागू किया गया है। कर्मचारियों और बच्चों दोनों को प्रथम, दूसरे और तीसरे पुरस्कार दिए जाते हैं। पुरस्कृत लेखों को एचएलएल की गृह पत्रिका "दि फैमिली", हिंदी पत्रिका "समन्वया" में या नराकास (उपक्रम) की पत्रिका "तपस्या" में लेखक के फोटो सहित मुद्रित किए जाते हैं।

सार्वजनिक परीक्षाओं में 90% अंक हासिल करने वालों के लिए नकद पुरस्कार।

एचएलएल के कर्मचारियों के बच्चों को सार्वजनिक परीक्षाओं (10/12/डिग्री/स्नातकोत्तर) और स्वायत्त निकायों द्वारा आयोजित परीक्षाओं में हिंदी विषय में 90% या अधिक अंक हासिल करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को पुरस्कार देने की योजना कंपनी में लागू की गयी है।

सी डी का वितरण

कंपनी के कर्मचारियों और उनके परिवार वालों के मन में हिंदी के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की दृष्टि से इच्छुक कर्मचारियों को हिंदी सिनेमा सीडियाँ वितरित की जाती हैं। प्रत्येक कर्मचारी को सिनेमा देखने के बाद सिनेमा के संबंध में अपनी राय हिंदी में देना चाहिए । एचएलएल के हर यूनिट में यह सुविधा उपलब्ध है। निगमित मुख्यालय में 400 हिंदी फिल्म सीडियाँ हैं।

स्मरण परीक्षा

कंपनी के कर्मचारियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित करने की ओर 'रोज़-एक-शब्द-पढिए' कार्यक्रम हर यूनिट में संस्थापित किया गया है। इसके अधीन स्वागत कक्ष के प्रेस्टोग्राफ बोर्ड/आई पी मेसेंजर द्वारा प्रतिदिन एक हिंदी एवं उसके समानार्थी अंग्रेज़ी शब्द प्रदर्शित किया जाता है। इन शब्दों के आधार पर हर महीने सभी यूनिटों में एक स्मरण परीक्षा आयोजित की जाती है और विजेताओं को नकद पुरस्कार भी दिये जाते हैं।

हिंदी में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र

यह पुरस्कार श्री शंकर दयाल सिंह, जो हिंदी के प्रसिद्ध विद्वान और सांसद थे, की जन्मतिथि की यादगार में भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय के निर्देश के अनुसार कार्यान्वित किया गया है। यह प्रशस्ति पत्र, कंपनी के राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में समग्र रूप से सराहनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में एचएलएल के एक कर्मचारी को वर्ष में एक बार प्रदान किया जाता है।

हिंदी फोरम

कंपनी के प्रत्येक यूनिट के अनुभागवार हिंदी कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के मद्देनज़र सभी यूनिटों में हिंदी फोरम गठित किया गया है। इस फोरम में हर अनुभाग से एक कर्मचारी सदस्य होगा। इसकी बैठक द्विमासिक तौर पर आयोजित की जाती है। हम हिंदी फोरम के सदस्यों के द्वारा कंपनी के हिंदी कार्यक्रमों की अद्यतन सूचना हर अनुभाग तक पहुँचाने का श्रम करते हैं।

बोलचाल हिंदी क्लास

कंपनी के अधिकारी/कर्मचारियों के हिंदी भाषा में बातचीत करने की झिझक को दूर करने के उद्देश्य से हफ्ते में एक दिन एक घंटे का बोलचाल हिंदी क्लास आयोजित किया जाता है।

सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए बोलचाल हिंदी क्लास और हिंदी प्रतियोगिताएँ

कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यकलापों के अधीन गोद लिए सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए हफ्ते में एक दिन एक घंटे का बोलचाल हिंदी क्लास/व्याकरण क्लास आयोजित करते हैं। इसके अलावा हर वर्ष हिंदी पखवाडा के दौरान हिंदी प्रतियोगिताएँ आयोजित करके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

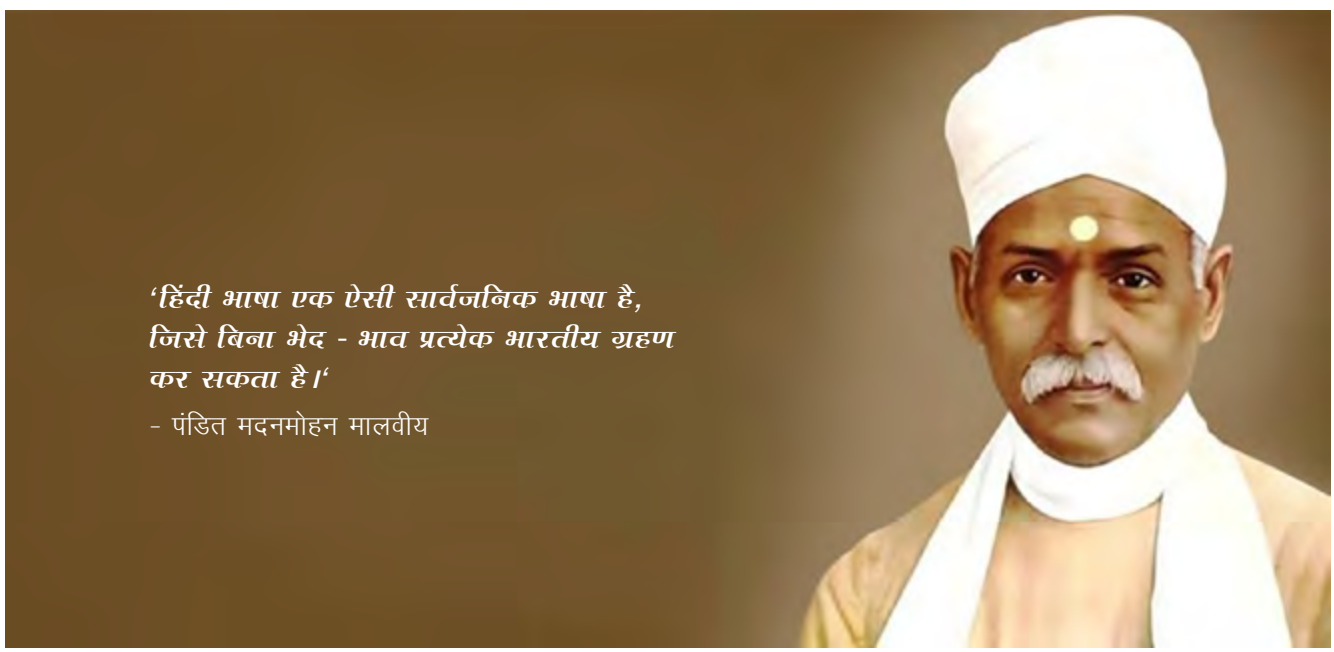

— नेमी टिप्पणियाँ —

Above Sited	ऊपर उद्धृत।
Agenda is enclosed	कार्यसूची संलग्न है।
As early as possible	यथाशीघ्र
Bring into notice	ध्यान में लाना
Case discussed	मामले पर चर्चा की गई
Copy enclosed	प्रतिलिपि संलग्न
Confirmation Letter	पुष्टि पत्र
Delay regretted	विलंब के लिए खेद है।
Do the needful	आवश्यक कार्रवाई करें।
Entered in the Register	रजिस्टर में दर्ज किया गया।
Follow up action	अनुवर्ती कार्रवाई
For Signature	हस्ताक्षर के लिए।
Give details	विस्तृत जानकारी दें।
Here after	इसके बाद
It is suggested	यह सुझाव दिया जाता है।
Joining Report	कार्यग्रहण रिपोर्ट
Matter is under consideration	मामला विचाराधीन है।
Minutes of meeting	बैठक का कार्यवृत्त
Necessary arrangements are being made	आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।
Necessary steps should be taken	आवश्यक कदम की जाए।
Please discuss	कृपया चर्चा करें
Recommended for Sanction	मंजूरी के लिए सिफारिश की जाती है
Reminder may be sent	अनुस्मारक भेजा जाए।
Under consideration	विचाराधीन
With respect	सादर
We have no further comments	हमें आगे कुछ नहीं कहना है।

— एचएलएल शब्दावली —

Following	निम्नलिखित
For the time being in force	तत्समय लागू
Foreign exchange	विदेशी मुद्रा
Foreign investment	विदेशी निवेश
Formal	औपचारिक
Formation	गठन
Former	पूर्व
Formulation	सूत्रीकरण
Fortnight	पखवाड़ा
Forward	अग्रेषित करना
Foundation Stone	आधार शिला
Fragrance	सुगंध
Free	निःशुल्क/मुफ्त
Free replacement and free samples	मुफ़त प्रतिस्थापन व मुफ़्त नमूने
Free sale	निशुल्क बिक्री
Free sample	मुफ़त नमूना
Freight & insurance	भाडा & बीमा
Frequent	बार-बार
Fuel charges	इंधन चार्ज
Function	समारोह/कार्य
Functional directors	कार्यात्मक निदेशक
Funds	निधि
Further Instructions	आगे के अनुदेश
Future	भविष्य
Gazetted	राजपत्रित
General	सामान्य

General Manager	महा प्रबंधक
General work	सामान्य कार्य
Generic Pharmacy	जेनरिक फार्मसी
Globally	विश्वस्तरीय/भौगोलिक
Goods	माल
Governance	अभिशासन
Government grants	सरकारी अनुदान
Grade	ग्रेड, श्रेणी
Graduate	स्नातक
Grant	स्वीकृति
Gratuity	उपदान
Grievance	शिकायत
Gross assets	कुल परिसंपत्तियाँ
Gross Fixed Assets	सकल अचल परिसंपत्तियाँ
Growth	वृद्धि
Guarantee	प्रतिभूति/गारंटी
Guest house	अतिथि गृह
Half pay	अर्धवेतन
Handbill	विज्ञप्ति
Hardware	हार्डवेयर
Head office	प्रधान कार्यालय
Headquarter	मुख्यालय
Health & Family Welfare	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
Health Centre	स्वास्थ्य केंद्र
Healthcare	स्वास्थ्य रक्षा
Healthy Generation	स्वस्थ पीढ़ी

सन् 2020 की त्रासदी

कोरोना वायरस या कोविड - 19 विषाणु

आशीष देव शुक्ला
परियोजना अभियंता (सिविल)
हाइट्स

शायद हम वर्ष 2030 या उसके बाद में यह कहानी अपने बच्चों को सुना रहे होंगे।

एक बार की बात है, प्रकृति हमसे नाराज़ हो गई, लेकिन मैं उसके पहले, 2020 के पहले की दुनिया की कहानी बताना चाहता हूँ तो हँसती-खेलती अपने-अपने कामों में मशरूफ, दौड भाग वाली दुनिया, वह सरफिरी दुनिया जहाँ लोग सोने के वक्त जागते थे, जहाँ सड़कें कारों, बसों आदि से भरी रहती थी, घर में लोग केवल सुबह-शाम में ही होते थे, टेलीविज़न के आगे बच्चों का बचपन कहीं गायब हो गया था, बच्चे केवल दादी और नानी से ही कहानियाँ सुनते नज़र आते थे आदि का दौर गायब ही हो गया था।

अचानक ही सन् 2019 के अंत और 2020 के प्रारंभ में एक विषाणु को लेकर एकाएक सब कुछ बदल गया था। कह लीजिए सब कहीं थम सा गया, कई देश तालाबंदी कर दी गईं, लगभग सभी घरों में लोग कैद हो गये, इस विषाणु का नाम है कोरोना वायरस या कोविड - 19. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस को एक महामारी घोषित कर दिया। कोरोना वायरस बहुत सूक्ष्म लेकिन प्रभावी विषाणु है। कोरोना विषाणु मानव बाल की तुलना में 900 गुना होता है, लेकिन कोरोना का संक्रमण बहुत तेज़ी से दुनिया भर में फैल रहा है।

कोरोना वायरस क्या है? - कोरोना वायरस (सी ओ वी) के संबंध वायरस का एक ऐसे परिवार से हैं जिसके संक्रमण से जुकाम, गले में दर्द से लेकर साँस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस विषाणु को पहले कभी नहीं देखा गया। इस विषाणु का संक्रमण सबसे पहले दिसंबर 2019 को चीन के वुहान शहर में शुरू हुआ था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक बुखार, खाँसी, साँस लेने में तकलीफ इसके लक्षण है। अब इस वायरस के फैलाव को रोकने के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। इस विषाणु के संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, साँस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खरास जैसी समस्या उत्पन्न होती है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यह बीमारी चीन के ज़रिए दूसरे देशों में फैलने की आशंका जताई जा रही है। यह वायरस अब चीन में उतनी गति से नहीं फैल रहा है, जितना दुनिया के अन्य देशों में फैल रहा है।

कोरोना से मिलते-जुलते वायरस खांसी और छींक से गिरने वाली बूँदों के ज़रिए फैलते हैं। कोविड - 19 नाम का यह वायरस अब तक 70 से ज़्यादा देशों में फैल चुका है। कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए इसे रोकने के लिए सावधानी बरतने की ज़रूरत है।

कोरोना संक्रमण हो जाए तब? - अब भी कोरोना के लिए कोई खास इलाज नहीं है, बुखार, गले में दर्द आदि कम होने के लिए पैरसेटामोल, विटमिन गोलियाँ आदि दवाइयाँ दी जाती हैं। जब तक आप ठीक न हो जाएं, तब तक आप दूसरों से अलग रहें। अब कोविशील्ड, कोवैक्सीन आदि वैक्सीन सरकार द्वारा वितरित की जाती हैं, लेकिन सभी लोगों को यह मिलने के लिए बहुत समय लगेगा।

क्या हैं इससे बचाने के उपाय ? - स्वास्थ्य मंत्रालय ने इससे बचने के लिए निम्न जैसे दिशानिर्देश जारी किए है - हाथों को साबुन से धोना चाहिए। आल्कहॉल आधारित हैड सैनेटाइज़र का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। खाँसते या छींकते समय नाक और मुँह रुमाल या टिश्यू पेपर से ढके, जिन व्यक्तियों को कोल्ड और फ्लू के लक्षण हो उनसे सामाजिक दूरी का पालन करें, अंडे, माँस आदि का उपयोग कम करना।

कोरोना वायरस के संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए भारत व अन्य देशों द्वारा उठाए गए कदम - कोरोना वायरस के संक्रमण की श्रृंखला को तोडने के लिए भारत व दुनिया के कई देशों ने सख्त कदम उठाये हैं। इनमें प्रमुख था तालाबंदी। तालाबंदी के अंतर्गत लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी गई, केवल अतिआवश्यक कार्यों के लिए लोगों को बाहर जाने की अनुमति दी।

तालाबंदी सब के लिए एक जैसी नहीं थी - इस तालाबंदी ने लोगों से बहुत कुछ छीन लिए, लोगों को बाहर निकलने की आज़ादी, मज़दूरों को उनका रोज़गार, जो जहाँ थे, वहीं फँस गये, हज़ारों मज़दूरों को परिवहन साधन न मिलने पर अपने घरों से एक राज्य से दूसरे राज्य तक सैकड़ों मील पैदल ही चलना पडा। रोज़गार, व्यवसाय एवं कामधंधे बंद हो गये। लोग अपने-अपने घरों में सुरक्षित रहने के लिए कैद हो गये। अर्थव्यवस्था पर भी अत्यंत बुरा प्रभाव पडने लगा।

कोरोना योद्धा - चिकित्सक, नर्स, पुलीस कर्मी और लोगों को भोजन एवं खाद्य सामग्री आदि पहूँचाने वाले लोगों को कोरोना योद्धा कहलाए गये एवं इन्हें 2020 की इस त्रासदी में भगवान

का दर्जा मिला। लोगों ने इनका सम्मान फूल बरसाकर, तालियाँ बजाकर किया। भारत में प्रधानमंत्री के आह्वान पर लोगों ने जनता कर्फ्यू के दिन शाम को अपने घरों के बाहर या छत पर खडे होकर थालिया, तालियाँ, शंख बजाकर इन कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया।

तालाबंदी एक खुशखबरी भी - इस तालाबंदी में एक ओर बहुत कुछ छीन गया था तो दूसरी ओर लोगों ने कोरोना वायरस की श्रृंखला को तोड़ने में अन्य देशों की तुलना में भारत में काफी हद तक सफलता भी हासिल की। एक ओर प्रकृति बहुत खुश हो रही थी, उसकी खुशियों की बारिश हो रही थी - जिससे प्रदूषण कम हो गया था, वातावरण स्वच्छ हो गया था, हवाएँ स्वच्छ हो गयीं, नदियों एवं सागरों का जल एक हद तक स्वच्छ हो गया। लोग अपने-अपने घरों में परिवार के बीच खुशी से रहकर इस तालाबंदी को पार करने में सफल रहे।

लगभग 18 (अठारह) साल पहले सार्स वायरस से भी ऐसा खतरा हुआ था। वर्ष 2002-03 में सार्स वायरस की वजह से पूरी दुनिया में 700 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी और हज़ारों लोग संक्रमित हुए थे, लेकिन कोरोना के आगे वे सब पीछे छूट गए हैं। कोरोना वायरस के बारे में अभी तक कोई प्रमाण नहीं मिले है कि ये पार्सल, चिट्ठियों या जानवरों के खाने के ज़रिए फैलता है।

कोरोना वायरस से लोग कई तरह बेचैन थे, क्योंकि पहले मेडिकल स्टोर्स में मास्क और सैनिटाइज़र की कमी थी जोकि लोग इन्हें खरीदने के दौड़ में थे। लेकिन आज मास्क और सैनिटाइज़र दोनों सभी जगहों पर बडी मात्रा में उपलब्ध हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन, पब्लिक हेल्थ इंगलैंड और नेशनल हेल्थ सर्वीस(एन एच एस) से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सरकार ने एयरपोर्ट पर यात्रियों की स्क्रीनिंग, लैब में लोगों की जाँच आदि तैयारियाँ करके कोरोना वायरस से बचाने की योजना बनायी है। इसके अलावा किसी भी तरह की अफवाह से बचने, खुद की सुरक्षा के निर्देश भी जारी किए है। ध्यान देना, आपकी रक्षा आप पर निर्भर है।

शहीदों की याद में

हर्षिता पाहवा
उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
कनगला

राष्ट्र कवि दिनकर ने अपनी कविता में लिखा है, "भूखंड विजेता कौन हुआ, अतूलित क्रेता कौन हुआ, जिसने न कभी आराम किया विघ्नों में रह कर काम किया।"

23 मार्च, 1931 को ऐसा बलिदान हुआ जो आज भी सभी भारतीयों के लिए अविस्मरणीय है और वह शहीदी दिवस के नाम से सदा यादगार रहेगा। देश के सबसे युवा क्रांतिकारियों के एक टोला, जो "रंग दे बसंती चोला" गीत को अपना साथी बनाकर हस्ते-हस्ते फांसी पर चढ गये। शहीद भगत सिंह, राज गुरू व सुखदेव का बलिदान हमें आज भी द्रवीभूत कर देता है। लेकिन क्या उनका बलिदान सार्थक हो पाया ? क्या उन्होंने जिन भारतवासियों के लिए अपना यौवन मृत्यु के हाथों में सौंप दिया, क्या उन भारतवासी उनके सपनों का भारत बना पाए ? पूरे देश को एक परिवार बनाने के लिए अपने परिवार को सदा के लिए छोडने वालों का वह सपना क्या पूरा हो गया ? सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है ज़ोर कितना बाजुए कातिल में है" इस विचार की मशाल हर समय अपने दिल में जलाने वालों का यह विचार क्या सार्थक हो गया ?

इस देश का दुर्भाग्य यही है कि इन प्रश्नों के बारे में हम सोचते ही नहीं और सोचते भी है तो किसी शहीद के बलिदान दिवस पर और फिर झूठी सहानुभूति दिखाकर, खुद नारे लगा कर अपने-अपने कार्य में मशहूल हो जाते हैं। यदि हम उनके बलिदान को व्यर्थ नहीं गंवाना चाहते हैं तो हमें सोचना होगा कि उनके सपने क्या थे ? क्यों उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी।

वे चाहते थे कि भारत विश्व के सर्वश्रेष्ठ शक्ति बने तथा भारत का प्रत्येक व्यक्ति अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर स्वयं तथा राष्ट्र के निर्माण में एक सशक्त भूमिका निभा सके। वे भारत को स्वदेशी की तरफ लौटाना चाहते थे। किसी भी देश की पृष्ठभूमि उसके आदर्शों से पता चलती है यानी उस देश की संस्कृति, चिंतन - मनन, व्यवहार आदि। देशवासियों में राष्ट्रभक्ति के प्रति कितने जुनून होंगे। क्योंकि सामाजिक दृष्टि में सबसे बडी भक्ति होती है राष्ट्रभक्ति। जीवन में सबसे बड़ा भय व्यक्ति को मृत्यु से होता है लेकिन हमारे राष्ट्रभक्तों के राष्ट्रप्रेम के सम्मुख वह भय भी तुच्छ है। उन्होंने अपने देश की स्वतंत्रता के लिए मृत्यु को साधन बनाया। उन्होंने चिंतन किया कि यदि मृत्यु हमारे देश को स्वतंत्रता दिला सकती है तो हम मृत्यु को बिना किसी शिकायत से स्वीकार करेंगे।

लाखों देश भक्तों ने स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन की आहुती दी जिस में से केवल कुछ लोगों के नाम हम जानते हैं शेष सभी गुमनाम हैं। उनके बलिदानों के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में जी पा रहे हैं। अतः शहीदी दिवस पर हम केवल सहानुभूति न प्रकट करें परंतु शहीदों की राह पर जीने का संकल्प लें।

"राह में विगत आएंगे,बाधाएँ आएँगी लेकिन उन्हें लांघ कर हमें आगे बढ़ना है, आगे बढना है और अपना लक्ष्य प्राप्त करना है''।

सुखी जीवन की मेरी कल्पना

पिराजी वी.पाटील
अधिकारी - 2
एचएलएल, के एफ बी

इस संसार में सभी प्राणी सुख प्राप्त करने के लिए बेचैन दिखाई देते हैं। सभी लोग अपने जीवन को सुखी बनाने के लिए दिन-रात परिश्रम करते रहते हैं। फिर भी बहुत कम लोग सुखी दिखाई देते हैं। इसके अलावा, हर आदमी की सुख की परिभाषा भी अलग-अलग है। कोई सोचता है कि बहुत-साधन इकट्ठा कर लेने से वह सुखी हो जाएगा, तो कोई मानता है कि ज़्यादा से ज़्यादा ताकतवर बन जाने से ही उसका जीवन सुखी हो सकेगा। किसी की धारणा है कि कोई ऊँचा पद मिलने पर ही वह सुखी होगा, तो कोई विद्वत्ता को ही सुखी जीवन की आधारशिला मानता है।

सुखी जीवन की मेरी भी अपनी कल्पना है। मेरे विचार से जीवन को सुखी बनाने के लिए अपने आसपास कुछ भौतिक वस्तुओं का होना ज़रूरी तो है, लेकिन उनकी भरमार अनावश्यक है। मैं उतनी ही वस्तुओं को एकत्र करना चाहता हूँ, जितनी मेरी कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। मेरी कल्पनानुसार जीवन को सुखी बनाने के लिए उत्तम स्वास्थ्य बहुत ज़रूरी है।

संसार में धन का बडा महत्व है। सुखी जीवन जीने के लिए धन की बडी ज़रूरत होती है। किंतु, मानवीय गुणों को छोडकर केवल धन के पीछे ही नहीं दौडना चाहिए। हमारे यहाँ धन की देवी लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। इसका तात्पर्य है कि कोई भी व्यक्ति हमेशा धनवान नहीं बना रहता। जब वह निर्धन हो जाता है, तो लोग उसकी उपेक्षा करने लगते हैं। मेरे विचार से उस व्यक्ति का जीवन सुखी है, जो इतना धन कमा लेता है जितने से उसकी ज़रूरतें पूरी हो सकें और वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा सके। इस के बारे में मैं संत कबीर के निम्नलिखित दोहे को आदर्श मानता हूँ -

साई इतना दीजिए, जामें कुटुम समाय।
मैं भी भूखा ना रहूँ, साधू न भूखा जाय।

मेरी धारणानुसार उस व्यक्ति का जीवन सुखी होता है, जो अपने व्यक्तित्व का पूरा विकास

कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ जन्मजात गुण होते हैं। इन गुणों का पूर्ण विकास कर लेने पर वह अपने समाज और देश की प्रगति में योगदान कर सकता है। किंतु, इन गुणों का विकास संघर्ष के वातावरण में ही हो पाता है, सुख और विलासिता में नहीं। मेरे विचारानुसार उस व्यक्ति का जीवन पूर्ण रूप से विकसित होता है, जिसके जीवन में थोडा बहुत संघर्ष हमेशा बना रहता है। जीवन को सुखी बनाने के लिए परोपकार का मार्ग अपनाना बहुत ज़रूरी है। जो लोग दूसरे के प्रति सहानुभूति रखते हैं और उनके सुख-दुख को अपना ही सुख-दुख समझते हैं, वे ही सुखी रहते हैं।

मनुष्य का जीवन सुख और दुःख से मिलकर बना है। लोग प्रायः सुख के क्षणों में आनंद से प्रफुल्लित हो उठते हैं और दुःख आने पर व्याकुल हो जाते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि उस व्यक्ति का जीवन सुखमय है जो यह जानता है कि दुःख की अंधेरी रात के बाद सुख की सुनहली सुबह अवश्य आएगी। ऐसा व्यक्ति सुख और दुख दोनों का समान रूप से स्वागत करता है। मैं उस व्यक्ति का जीवन सुखी मानता हूँ जो नए विचारों का स्वागत करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। इस संसार में निरंतर परिवर्तन होता रहता है। जो लोग पुरानी परंपराओं को गले लगाए रखते हैं और नवयुग का स्वागत नहीं करते, वे जल्दी ही बासी फूलों की तरह धूल में मिल जाते हैं। परिवर्तन के कारण ही संसार में हमेशा नवीनता बनी रहती है और उसीसे अनोखा आनंद मिलता है। अतः सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए हमें परिवर्तन का स्वागत करने को सदैव तैयार रहना चाहिए। मेरे विचारानुसार उस व्यक्ति का जीवन सुखी है जो मानव-मानव को समान समझता है और दुःखी मानव की सेवा के लिए अपना तन-मन-धन अर्पित कर देता है। संसार में उसी का नाम अमर होता है जो मानवता की कल्याण के लिए कोई महान कार्य करते हैं। मैं आज उस मानवता की महान देवता 'मदर तेरेसा' को प्रणाम करता हूँ कि उन्होंने अपना पूरा जीवन दूसरों की सेवा करने में ही बिताया है। इसलिए मैं भी आज यह संकल्प करना चाहता हूँ कि जियो और जीने दो। मानवता की कल्याण के लिए मरने के बाद अपना शरीर (अंग) दान दो। किसी व्यक्ति के उपयोग के लिए यह अंगदान कामयाब होगा। उस व्यक्ति का जीवन प्रकाशमान होगा। यही है सुखी जीवन की मेरी कल्पनाएँ।

युवाओं की सोच

कुमार गुप्ता
सुपुत्र प्रभाष चंदर वैश
सी पी एम-आई डी-हाइट्स

प्राचीन काल से ही जीवन में उचित मूल्यों का होना अत्यधिक महत्वपूर्ण माना गया है। इन्हीं उचित मूल्यों के कारण जीवन सफल होता है। भारत विश्व भर में अपने उचित जीवन मूल्यों के कारण प्रसिद्ध है। भारत की धरती पर कबीर ने मीठा बोलना, रानी लक्ष्मी बाई ने हिम्मत न हारना, युधिष्ठिर ने सत्य बोलना, राम ने पिता का आज्ञा का पालन करना, कर्ण ने गुरू दक्षिणा देना, श्रवणकुमार ने अपनी माता पिता की इच्छाओं को पूरा करना, गांधीजी ने अहिंसा से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करना सिखाया है। प्राचीन काल में मनुष्य के जीवन में इन जीवन मूल्यों का बहुत महत्व होता था।

समय बदलता रहा, सोच बदलती रही, गाँव से शहर बने और शहरों में इमारतों का निर्माण होता गया। जीवन इतना व्यस्त बनता गया कि लोगों को एक दूसरे का हाल-चाल पूछने का समय भी न मिला। इस व्यस्त जीवन में जीवन मूल्य कहीं खो गए।

किसी भी देश की पहचान उसके युवा वर्ग से होती है। देश का यही जागरूक युवा वर्ग देश की प्रगति में सहायक होता है। भारत भाग्यशाली है कि उसकी युवा पीढ़ी जोशीली, समझदार और जागरूक है। पर इस युवा पीढ़ी में अधिकांश लोग ऐसे हैं जिनके जीवन में

उचित जीवन मूल्यों का कोई महत्व नहीं। उन्हें पता है कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत, पर मायामोह और कलियुग के चकाचौंध के कारण वह अपने मूल्यों जिनको वह अपने परिवारवालों से ग्रहण करते हैं उनके विरुद्ध जाने और गलत कार्यों को करने से पीछे नहीं हटते। जहाँ पहले किसी भी कार्य को करने से पहले बड़ों की आज्ञा लेना अच्छे संस्कारों में से एक माना जाता था, वही आज माँगने में युवा वर्ग अपने आत्मसम्मान को घटता हुआ महसूस करते हैं। जहाँ पहले गलतियों का अहसास होने पर माफी माँगना सदा उचित माना जाता था वही आज के कई युवा माफी माँगने में लज्जा महसूस करते हैं। जहाँ माफ करना बड़प्पन माना जाता था वहीं आज कई युवा सोचते हैं कि बदला लेना माफ करने से अधिक उचित है।

पहले किसी कार्य को करने में असफल होने के कारण हिम्मत न हारते थे। अधिक युवा परिश्रम और लगन से लक्ष्य को प्राप्त करते थे। वहीं आज के युवा किसी कार्य में असफल होने पर निराशा और हताशा से भर जाते हैं। उनके अंदर कार्य को करने की चाह खत्म हो जाती है। पहले झूठ बोलना किसी अपराध से कम न माना जाता था पर आज झूठ बोलना, काम को टालना, बहाने बनाना आज के युवाओं के लिए आम बात है। जहाँ अधिकतर युवा वर्ग जीवन मूल्यों को भूल चुका है, वहीं कई ऐसे युवा भी हैं जिनके जीवन में उचित जीवनमूल्यों का एक महत्वपूर्ण स्थान है। इस कलियुग में दोनों ही प्रकार के युवा है। एक जिन्हें जीवन में अपने स्वार्थ के लिए अपने मूल्यों को भूलना उचित लगता है और दूसरे जिन्हें अपने जीवनमूल्य प्राणों से भी अधिक प्यारे हैं। एक विद्यार्थी होने के कारण हमें अपने आप निर्णय लेना होगा कि हम कौन सा युवा वर्ग होना चाहेंगे? जिनका लक्ष्य जीवन को चौकाचौंध में व्यतीत करना हो या वह जो अपना सारा जीवन उचित मूल्यों का पालन करते हुए गर्व से व्यतीत करते हैं। आप सभी बुद्धिजीवी हैं, निर्णय आपके हाथ में हैं।

स्वदेश के प्रति कर्तव्य

ओमीशा वैश
सुपुत्र श्री प्रभाष चंदर वैश
(सीपीएम - आईडी - हाईट्स)

कितना ही अच्छा लगता है न - स्वतंत्र भारत की पवित्र वायु में साँस लेते हुए, बिना किसी बंधन/ रोक-टोक के, अपनी इच्छानुसार यहाँ - वहाँ घूमना। आखिर हमारे वीर पूर्वजों ने इस आजादी को हमें मुहैय्या कराने हेतु अपने प्राणों को भी कुर्बान कर दिया। हमारा हक बनता है आजाद भारत में खुशी से जीने का।

अब यहाँ तक सब कुछ ठीक-ठाक ही है अपितु ऐसा क्यों होता है कि हम अपने हक, अपने अधिकार तो सदैव याद रखते हैं, परन्तु हम अपने कर्त्तव्यों को भूल जाते हैं। और बिना अपने कर्त्तव्य निभाये अधिकारों को भोगना - ये तो वही बात हो गई कि पौधों को पानी तो नहीं दिया जा रहा लेकिन उसके फलों का भरपूर आनन्द महसूस किया जा रहा है। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि वर्षा के भरी से पौधा केवल कुछ दिन ही फूलेगा-फलेगा। अपितु पानी के अभाव से एक दिन ऐसा भी आएगा जब वह पौधा मुर्झा जाएगा, निर्जीव हो जाएगा।

बिल्कुल यही स्थिति हमारे देश की भी है। हम चाहते तो सरकार से क्या नहीं माँग लेते, अपितु मतदान की बारी आने पर घरों पर बैठ जाते हैं। आयकर जमा करने की बारी आने पर जेबों में हाथ डाल लेते हैं और किसी न किसी तरह बचने के प्रयास में लगे रहते हैं। परन्तु हम यह तो सोचते ही नहीं कि जब तक हम अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए मतदान नहीं करेंगे तब तक बेकार सरकार का शासन होना तो स्वाभाविक

ही है। जब तक हम अपने हिस्से का आयकर नहीं जमा करेंगे, तब तक सरकार के पास धन की कमी होना, देश की गरीबी की ओर बढ़ना तो रोका ही नहीं जा सकता। फिर चाहे तो हम सालों तक उस सरकार के निठल्लेपन व भ्रष्टाचार, लापरवाही को कोसते रहेंगे (जो वास्तव में जनता में ज्यादा और उसी कारण सरकार में है), पर वह सरकार हमारे ही मतों से बनी।

अतः आवश्यकता है, सिर्फ इस बात को समझने की, जब तक भारत की आम जनता स्वयं नहीं जागरूक होंगी, मतदान करेंगी, अपने समर्पण का परिणाम देगी, तब तक किसी बदलाव की आशा करना व्यर्थ ही नहीं, अपितु सीधी भाषा में लालच है। बदलाव लाने के लिए पहले हमें बदलना होगा। ज़िम्मेदार सरकार की स्थापना करने हेतु - पहले हमें जिम्मेदार होना चाहिए, जागरूक होना चाहिए।

आज हम भारत की पवित्र वायु का आनन्द शायद ही ले पाते। अतः अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्त्तव्यों को भी भली -भाँति समझनेवाले नागरिक ही एक सफल व प्रगति पथ पर चलनेवाले देश की कुंजी हैं, सहारा हैं, स्तंभ हैं।

(अनोखा खेल)

जापान से आए पाँच 'एस' मित्र

लेखक : पी.के. नरेंद्रकुमार
सहायक प्रबंधक
एचएलएल-सी आर डी सी

पात्र

1. चालबाज
2. सिरी (पहला एस)
3. सीटण (दूसरा एस)
4. सीसो (तीसरा एस)
5. सीकेट्सू (चौथा एस)
6. श्टुसुके (पाँचवां एस)
7. पर्यवेक्षक
8. स्टोर कीपर
9. कर्मी (प्रथम, दूसरा)
10. रामू
11. जॉय
12. जीवन

'सुरक्षा' हरेक की ज़िंदगी का आधारशिला है। अतः सुरक्षा नीति का कार्यान्वयन एवं अनुपालन हरेक की जिम्मेदारी है। जापान से आए पाँच 'एस' मित्र नाटक में सुरक्षा संबंधी पाँच योजनाओं का उल्लेख किया है। छह अंकों से प्रत्येक पात्र पाँच 'एस' के प्रतीक के रूप में आकर इन योजनाओं की खूबियों को व्यक्त करता है। इस नाटक पर दृष्टि डालने से पहले सभी के लिए लाभदायक, 'पाँच 'एस' से लाभ', पर ध्यान देना एकदम ज़रूरी है।

5 एस से लाभ

1. विश्वस्तरीय निर्माण विधि का यह प्रवेश द्वार है ।
2. कार्य सरल होता है, जिससे कर्मचारी में कार्य के प्रति रुचि बढ़ती है।
3. प्रत्येक कार्य सुविधा पूर्वक एवं सुरक्षित ढंग से होता है, जिसमें दुर्घटना की संभावना नहीं रहती है।
4. मिलजुल कर कार्य करने से आपसी भाईचारे की वृद्धि होती है।
5. कार्य जीवन में सुधार से कर्मचारियों के मनोबल में वृद्धि होती है।
6. मशीन उपकरणों की अनावश्यक बंदी में कमी आती है, जिससे मशीन की आयु बढ़ती है।
7. उत्पादक की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।
8. उत्पादन में वृद्धि तथा लागत में कमी आती है।
9. प्रत्येक कार्य त्रुटि रहित होता है, जिससे बर्बादी और दुबारा कार्य काफी कम हो जाता है।
10. प्रत्येक के विकास एवं संस्थान की निरंतर प्रगति के लिए 5 एस अत्यंत आवश्यक अंग है।

आईए, हम सब 5 एस को कार्यान्वित करें और जीवन का एक अंग बनाए, जिससे विश्वस्तरीय निर्माण विधि प्रक्रिया में गुणोत्तर वृद्धि हो। फलस्वरूप कार्यजीवन और गुणवत्ता युक्त उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो।

दृश्य - एक

चालबाज : नमस्कार। मैं चालबाज हूँ । मैं आपकी संस्था के उच्च अधिकारियों की अनुमति से आप प्रत्येक के अनुभाग में आया था । मेरे साथ अपने पाँच मित्र थे । इन पाँचों में कुछ विशेषताएं हैं । उन सबका नाम 'एस' से शुरू होता है । मैं और ये पाँच दोस्त आपके अनुभाग में देखा गया दृश्य के बारे में बताएंगे। मैं आप सभी को स्वागत करता हूँ ।

दृश्य - दो

(पहला 'एस' दृश्य में प्रवेश करता है)

सिरी : मैं पहला 'एस' ।
मैं जापान में 'सिरी' नाम से जाना जाता हूँ । रखरखाव अुभाग के एक दृश्य देखिए ।

पर्यवेक्षक : रामू.....क्या वहाँ के आपका काम खत्म हो गया ।

रामू : नहीं सर ।

पर्यवेक्षक : जल्दी करो, एक अतिआवश्यक काम बाकी है ।

(रामू के चेहरे पर गुस्सा भाव दिखाई देता है ।)

रामू : ओह..... सभी ट्रे में खोजने पर भी 8 एमएम नट और बोल्ट नहीं मिला..... (धीमी आवाज़ में) फिर भी अगला काम ।

जीवन : रामू तुम कितने समय से यहाँ पर हो, एक 8 एमएम नट और बोल्ट नहीं मिला? तुम वहाँ से हट जाओ ।

रामू : अगर मैं चले तो 8 एमएम नट और बोल्ट अब मिलेगा ।
(सिरी दृश्य में प्रवेश करता है)

सिरी : आप एक दूसरे के साथ समस्याएं बनाने की ज़रूरत नहीं
(पर्यवेक्षक से) सर मैं सिरी । मैं उसकी इस समस्या को देख रहा था । इसको
हल करना चाहिए ।

पर्यवेक्षक : कृपया आपका सुझाव बताएं ।

सिरी : (निश्चल से खड़े हुए एक पात्र को वापस रखकर उनके हाथ में रखे अलग कर दिए 8 एमएम नट और बोल्ट के ट्रे को इशारा कर दिया गया ।

सर इस ट्रे में आप के लिए आवश्यक 8 एमएम नट और बोल्ट हैं । आप आवश्यकता के अनुसार लीजिए । अगर शेष हैं तो इस ट्रे में वापस रखने के लिए संकोच न करें । मैं उम्मीद करता हूँ कि अब आप दोनों यह बात समझेंगे। काम के पहले या बाद में समय के अनुसार इस अनुभाग के आवश्यक वस्तुओं को वर्गीकृत करें, तो आपका काम कम समय में पूरा होगा । अवांछित वस्तुओं को स्क्रैपयार्ड में स्थानांतरित करने से यह अनुभाग साफ रहेगा ।

(सिरी के इस सुझाव के लिए पर्यवेक्षक, रामू और जीवन उनसे ध्नयवाद अदा कर दिया ।)

धन्यवाद सर ।

दृश्य - तीन

(चालबाज दृश्य में प्रवेश करता है)

चालबाज : फिर हम कार्यालय की ओर चले । जब दूसरा 'एस' सीटण ने वहाँ क्या देखा यह आपसे बताएगा ।
(चालबाज पीछे हट जाता है और दूसरा 'एस' दृश्य में प्रवेश करता है ।)

सीटण : सभी को देखकर प्रार्थना करने के बाद, मैं दूसरा 'एस' । मुझे जापान में 'सीटण' नाम से जाना जाता है । क्या आप ने देखा है न, किसी एक फाइल के लिए जॉय ने सारे फाइलों को बाहर निकाला ।

अधिकारी : जॉय..... मैंने जो फाइल मांगा वो अभी तक नहीं मिला?

जॉय : इधर देखा पर नहीं मिला । मैं ने कहीं नहीं देखा सर । (धीमी आवाज़ में) सर, आप इसे घर ले गए होंगे ।

अधिकारी : जॉय तुम दास को भी बुलाओ । मैं मध्याह्न बैठक के लिए जी.एम के कमरे में जा रहा हूँ । जल्दी वह फाइल ढूँढकर वहाँ ले आओ । (अधिकारी जल्दी ही जी.एम. के कमरे में जाता है ।)

जॉय : अब दास को बुलाने की कमी ही थी । (जॉय बडबडाते हुए वहाँ से जाने के लिए उठता है और अचानक सीटण को देखकर रुक जाता है ।)

सीटण : जॉय, मैं आपकी यह समस्या देख रहा था । जॉय आओ, फाइल ढूँढने के लिए मैं भी मदद करूँगा । जॉय फाइल के लिए कोई संख्या या पैटर्न है ?

जॉय : सर, यहाँ कोई नंबरिंग नहीं है । पिछले वर्ष के फर्नेस ऑयल व्यय फाइल लेने को सर ने कहा था ।

सर, आपका नाम क्या है ?

सीटण : मेरा नाम सीटण । जॉय वह फाइल मिल गई (सीटण ने एक निश्चल पात्र की ओर मुड़कर उसके हाथ में क्रमसंख्या के आधार पर और एक विशेष पैटर्न में रखे व्यवस्थित फाइलों को दिखाया) । इस तरह के फाइलों को क्रमसंख्या और पैटर्न के अनुसार करके रखे तो आपका काम आसान होगा । जॉय अब आप उस पैटर्न से एक फाइल को अलग कर देखिए ।

जॉय : एक फाइल हटाकर देखा ।

सीटण : फाइल को दूर रखने पर पैटर्न में हुई जटिलता आपको समझा ।

जॉय : सर आपका विचार अच्छा है ।

सीटण : जॉय अगर इस तरह फाइलों को रखें तो सभी अधिकारी जॉय के बारे में अच्छे कहे होंगे । क्योंकि अपने समय का मूल्य जानकर काम करनेवाले चपरासी होने से ।

जॉय : धन्यवाद महोदय । मैं यह फाइल देने को जा रहा हूँ । मध्याह्न बैठक अभी शुरू होगी ।

दृश्य - चार

(चालबाज दृश्य में प्रवेश करता है)

चालबाज : फिर हम पैकिंग अनुभाग की ओर गये । तीसरा 'एस' सीसो वहाँ पर देखे बातों के बारे में आपसे बताएगा ।
(चालबाज दृश्य से जाता है । सीसो दृश्य में प्रवेश करता है ।)

सीसो : सभी को देखकर प्रार्थना करने के बाद, मैं तीसरा 'एस' । मुझे जापान में 'सीसो' नाम से जाना जाता है । क्या आप ने वहाँ का दृश्य देखा है? कोई गृह व्यवस्था निरीक्षण के लिए आ रहा है, इसका हंगामा है। लेकिन क्या करूँ, जो लोग निरीक्षण के लिए आये थे, वे बाहर से हैं, इसलिए वे निरीक्षण कर जाने के बाद भी किसी को इसका पता ही नहीं ।

अधिकारी : फोन बजने की आवाज़ ।
'वह फोन करने के बाद गुस्से से बाहर आया।' उन्होंने गुस्से से वहाँ खड़े कर्मी से कहा, क्या मैंने आप सभी से सुबह 8 बजे से पहले यहाँ साफ करने को कहा था न? अब आप किसी को भी यहाँ काम करने की कोई ज़रूरत नहीं।

कर्मी : सर गाडी मिलने के लिए देरी हुई थी ।

अधिकारी : मैं आपका बहाना सुनना नहीं चाहता । आप की वजह से इस वर्ष गृह व्यवस्था के लिए पुरस्कार नहीं मिलेगा । निरीक्षण के लिए वे लोग आ गये थे । (यह सुनकर चुप रहे कर्मियों और अधिकारी के बीच सीसो प्रवेश करता है ।)

सीसो : सर मेरा नाम सीसो । यहाँ जो कुछ हुआ, मैं ने सब देखा । मैं आई.एस.ओ के एक बाहरी लेखा परीक्षक भी हूँ । क्या मैं इन कर्मियों की सफाई करने की विधि में एक छोटा सा बदलाव लाऊँ । इससे किसी को कोई कष्ट नहीं होगी।

अधिकारी : कृपया आपका सुझाव बताइए ।

सीसो : क्या काम की शुरुआत के 5 मिनट पहले और यह खत्म होने से 5 मिनट पहले नियमित रूप से साफ करना पर्याप्त होगा ?

अधिकारी : सर के सुझाव आप सुना है न? अब से इसी तरीके से काम करना चाहिए । मैं भी आपके साथ हूँगा । (अधिकारी और कमियों ने मिलकर सीसो से धन्यवाद अदा कर दिया ।) धन्यवाद सर ।

दृश्य - पाँच

(चालबाज दृश्य में प्रवेश करता है)

चालबाज : फिर हम अभियांत्रिकी भंडार की ओर गये । चौथा 'एस' सीकेट्सू वहाँ पर देखे बातों के बारे में आपसे बताएगा ।

(चालबाज दृश्य से जाता है । सीकेट्सू दृश्य में प्रवेश करता है ।

सीकेट्सू : सभी को देखकर प्रार्थना करने के बाद, मैं चौथा 'एस' । मुझे जापान में 'सीकेट्सू' नाम से जाना जाता है। अभियांत्रिकी भंडार के सामने कोई शोर सुन सकते हो ?

पहला : भाई वहाँ पर 20 एम्पियर एम.डी. एस.एम.सी. बी ही चाहिए ।

दूसरा : यहाँ नहीं है । तथापि आइए स्टोर कीपर से पूछ सकते हैं । सर क्या यहाँ 20 एम्पियर एम.डी.एस.एम.सी. बी है?

स्टोर कीपर : 20 एम्पियर एम.डी.एस.एम.सी. बी यहाँ नहीं है । इसके बजाय इंडोकूप के एम सी बी दूँगा ।

पहला : इंडोकूप के एम.सी.बी लगाने के लिए चैनल चाहिए ।

दूसरा : मैं ने पहले ही बताया भंडार में यह नहीं होगा । अब इसे शॉर्ट करके दूँगा । आप चलिए हम सर से कहेंगे । (सीकेट्सू दृश्य में प्रवेश करता है ।)

सीकेट्सू : मैं यहाँ से आपकी समस्या देख रहा था । (सीकेट्सू स्टोर कीपर से पूछता है।) विभिन्न प्रकार और प्रत्येक उपयोग के उत्पादों को मानकीकृत करने पर इस भंडार के अधिकतम स्थान का उपयोग करने के बजाय ब्रेकडाउन को आसानी से ठीक भी किया जा सकता है । उनसे माँगते रेटिंग के एम.सी.बी यहाँ नहीं है ।

स्टोर कीपर : नहीं सर, यहाँ अब मानकीकरण किया जा रहा है । उनकी समस्या को जल्दी ही हल किया जा सकता है ।

(स्टोर कीपर पहले और दूसरे से बताता है)
एक बार यह मानकीकरण पूरा होने पर आपकी समस्या हल हो जाएगा ।
पहला और दूसरा कर्मी और स्टोर कीपर सीकेट्सू को धन्यवाद करके चले गये।

दृश्य - छह

(चालबाज दृश्य में प्रवेश करता है)

चालबाज : हमारे मित्र और पाँचवाँ 'एस' श्टुसुके वहाँ देखे दृश्य के बारे में बतायेगा ।
(चालबाज दृश्य से जाता है । श्टुसुके दृश्य में प्रवेश करता है ।)

श्टुसुके : सभी को देखकर प्रार्थना करने के बाद, मैं पाँचवाँ 'एस' । मुझे जापान में 'श्टुसुके' नाम से जाना जाता है । मेरे चार मित्रों द्वारा इस संस्था में बनाए रखे बदलाव अभी भी ऐसा हैं या नहीं यह देखने के लिए मैंने एक परीक्षण किया । आश्चर्य की बात यह है कि इस संस्था के अधिकारी और श्रमिक उनके (पहला 'एस' से चौथा 'एस' तक) निर्देशों का पालन अच्छी तरह से कर रहे हैं । इस दृश्य को देखने के लिए हम पाँच इस संस्थान में आये थे । पहले 'एस' से चौथे 'एस' तक जो बदलाव लाया, मैं ने विस्मय से देखा । (फिर दृश्य में चालबाज के पीछे सभी पात्र प्रवेश करते हैं ।)

चालबाज : मेरे पाँच मित्रों द्वारा इस संस्थान में लाये गये बदलाव, यहाँ के उच्च अधिकारी से लेकर सभी कर्मचारी, हर दिन एक निश्चित समय पर काम करने की प्रतिज्ञा करेंगे। (चालबाज के साथ सभी पात्र हाथ उठाकर प्रतिज्ञा लेते हैं।) हम आशा करते हैं कि इस संस्था के विकास के साथ राष्ट्र की प्रगति में तेज़ी आएगी। सभी को धन्यवाद , हम फिर मिलेंगे ।

ताज़ा खबर

10-11 फरवरी 2021 को आयोजित वार्षिक योजना कार्यशाला 2021 के बाद एचएलएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निदेशक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एच आर), उपाध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ प्रबंधन टीम।

श्रीमती रीमा कल्लिंगल, फिल्मी अभिनेता 16 फरवरी 2021 को तिंकल परियोजना के भाग के रूप में आईएफएफके-कोच्चि के एचएमए (एचएलएल प्रबंधन अकादमी) स्टाल से एम-कप स्वीकार करती है।

एडवोकेट एम. अनिलकुमार, मेयर - एर्णाकुलम 17 फरवरी 2021 को एर्णाकुलम नगर पालिका कार्यालय के एचएमए - स्टाल का संदर्शन करते हैं।

12 फरवरी 2021 को आक्कुलम फैक्टरी में आयोजित उत्पादकता सप्ताह समारोह - 2021

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक 9 नवंबर 2020 को कॉर्पोरेट मुख्यालय में संविधान प्रतिज्ञा लेते हैं।

एचएलएल कनगला फैक्टरी (केएफबी) के कर्मचारी संविधान प्रतिज्ञा लेते हैं।

श्री ई.ए. सुब्रमण्यन, निदेशक (तकनीकी एवं प्रचालन) 25 फरवरी 2021 को एचएलएल के सीएसआर कार्यकलाप के हिस्से के रूप में केरल राज्य बाल कल्याण परिषद को 1.15 लाख रुपए मूल्य के डायपर इंसीनरेटर हस्तांतरित करते हैं।

पेरूरकडा फैक्टरी में परिवर्तन (लैंगिक उत्पीडन पर निवारण समिति - पीएफटी) द्वारा आयोजित महिला दिवस समारोह।

एचएलएल निगमित मुख्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह।

श्री के. विनयकुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) और डॉ. रॉय सेबास्टियन, उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) के साथ एचएलएल प्रबंधन अकादमी द्वारा 05 मार्च 2021 को आयोजित प्रशिक्षण में भाग लिये नए पदोन्नत सहायक प्रबंधक टीम।

प्रधान मंत्री के जन आंदोलन अभियान और आगामी त्योहारों के सीज़न के सिलसिले में, एचएलएल ने कोविड - 19 प्रोटोकॉल से संबंधित जागरूकता फैलाने के लिए कोविड जागरूकता अभियान पोस्टर अपनी यूनिटों में देने का दृश्य।

श्री सी.मूर्ति, कार्यपालक निदेशक (बीएपी), बीएचईएल, बीएचईएल अस्पताल, रानिपेट, तमिलनाडु में हाल में संस्थापित क्लिनिकल लैब का उद्घाटन 9 दिसंबर 2020 को करते हैं।

श्री के.बेजी जोर्ज आई आर टी एस, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के सिलसिले में 28 अक्तूबर 2020 को निगमित मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता प्रतिज्ञा लेते हैं।

एचएलएल के कर्मचारी भारत सरकार द्वारा कोविड - 19 महामारी के मद्देनज़र जारी किये गये दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए प्रतिज्ञा लेते हैं।

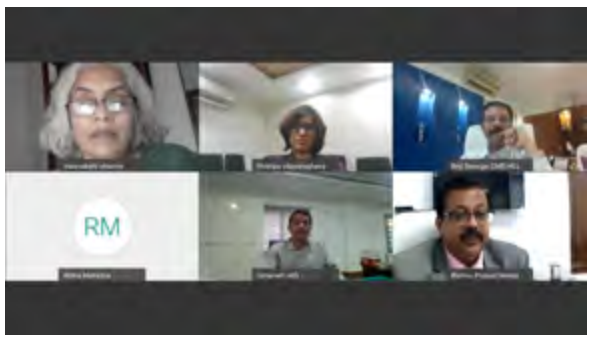

27 नवंबर 2020 को आयोजित ''भारत की दवाओं की पहुंच में सुधार'' विषय पर एसोचाम की ऑनलाइन सत्र में पैनल सदस्य के रूप में भाग लेने वाले अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. बेजी जोर्ज आई आर टी एस।

भारतीय जनता के बीच काम करने के लिए हिंदी ही एकमात्र साधन है।

- लोकनायक जयप्रकाश नारायण

गणतंत्र दिवस समारोह

एचएलएल निगमित मुख्यालय

एचएलएल - पेरूरकडा फैक्टरी

एचएलएल - नोएडा कार्यालय

एचएलएल - आक्कुलम फैक्टरी

एचएलएल - केंद्रीय विपणन कार्यालय

एचएलएल ऑप्टिकल्स

एचएलएल का एक पहल, भारत सरकार का उद्यम

सरकारी नेत्र अस्पताल, तिरुवनंतपुरम, दूरभाष : 0471 2306966

गोल्ड
मूड्स
कंडोम